Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

श्री गणेश चतुर्थी
के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें!

वर्ष : 3 अंक : 236 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, सोमवार 14 सितंबर, 2026 | www.sakarbharat.com

भगवान शिव-माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

'विष्णु भैया' का घर बना बहनों का मायका, सीएम निवास में उल्लास से मनाया तीजा-पोरा तिहार

मुख्यमंत्री ने कहा - महतारी वंदन की 31 किस्तों में माताओं-बहनों के खातों में पहुंचे 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक

रायपुर । नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास आज तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारिवारिक आत्मीयता और मातृशक्ति के उल्लास का साक्षी बना। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से बड़ी संख्या में पहुंचीं माताओं, बहनों और बेटियों के स्वागत में मुख्यमंत्री निवास को छत्तीसगढ़ी गांव और मायके की तरह सजाया गया था। पारंपरिक बैलगाड़ी, नंदिया-बइला, लोक शिल्प और ग्रामीण परिवेश की सजावट के बीच फुगड़ी, रस्साकशी, कुर्सी दौड़, मेहंदी और झूलों ने पूरे परिसर को उत्सव के रंग में रंग दिया। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के बीच माताओं-बहनों ने पूरे उत्साह के साथ तीजा-पोरा की खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तीजा पर बेटियों और बहनों के मायके आने की सुंदर परंपरा है। आज प्रदेशभर से आप सभी बहनें मेरे घर आई हैं, इसलिए मुख्यमंत्री निवास आज आप सभी का मायका है। अपने भाई के घर आपका आना मेरे लिए सौभाग्य और आनंद की बात है। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय संबोधन के साथ पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तीजा-पोरा हमारी माटी, परिवार, रिश्तों, खेती-किसानी, पशुधन और लोकजीवन से जुड़ा जीवंत उत्सव है। हरेली से शुरू होने वाली छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहारों की सुंदर श्रृंखला हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन को आत्मीयता के सूत्र में बांधती है। हमारी लोक परंपराएं पीढ़ियों को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का काम करती हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की माताओं-बहनों सहित सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीजा का पर्व माता पार्वती की तपस्या, समर्पण और अटूट आस्था से जुड़ा हुआ है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया था। हमारी माताएं और बहनें आज भी इस महान परंपरा को श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की माताओं-बहनों के सुख, समृद्धि और अखंड सौभाग्य के साथ छत्तीसगढ़ के निरंतर विकास और खुशहाली की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पोरा का पर्व हमारी कृषि संस्कृति और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। तीजा और पोरा का यह संगम हमारी लोकसंस्कृति की उसी आत्मीयता और व्यापकता को अभिव्यक्त करता है।

महतारी वंदन से माताओं-बहनों को मिल रहा आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को हर महीने एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक 31 किस्तों के माध्यम से 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि माताओं-बहनों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रवास के दौरान माताओं-बहनों से मिलने पर इस योजना से उनके जीवन में आए बदलाव की अनेक प्रेरक कहानियां सामने आती हैं। कोई बहन महतारी वंदन की राशि को बेटी के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में जमा कर रही है।

SHORT NEWS

जशपुर में चिकित्सा शिक्षा के नए युग का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और विशेष प्रयासों से आदिवासी बाहुल्य जशपुर जिले में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से जशपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। मेडिकल कॉलेज की स्वीकृत 50 सीटों में से प्रथम चरण में 41 विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है, जबकि शेष सीटों के लिए दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

मेडिकल कॉलेज की 50 सीटों में 42 सीटें राज्य कोटा, 7 सीटें केंद्रीय कोटा तथा 1 सीट सेंट्रल पूल के अंतर्गत भरी जाएगी। जिले में चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत से स्थानीय विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा के नए अवसर मिलने के साथ ही जशपुर और आसपास के क्षेत्रों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। मेडिकल कॉलेज के स्थायी भवन के निर्माण तक झारगांव स्थित पॉलीटेक्निक कॉलेज भवन में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ICAR-NIBSM के कार्यों की सराहना की

रायपुर। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को रायपुर पहुंचे। स्वामी विवेकानंद विमानतल पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, कृषि मंत्री रामविचार नेताम तथा वरिष्ठ अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने केंद्रीय कृषि मंत्री से मुलाकात की तथा संस्थान द्वारा संचालित अनुसंधान कार्यक्रमों, तकनीकी हस्तक्षेपों एवं प्रमुख पहलों की जानकारी दी। उन्होंने राज्य के कृषि विभाग के साथ समन्वय से भारतीय कृषि को सुदृढ़ बनाने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया। डॉ. राय ने फसलों में कीट-व्याधियों, रोगों एवं अन्य जैविक तनावों के कारण होने वाले नुकसान को कम करने की दिशा में ICAR-NIBSM द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने फसल उत्पादकता, कृषि की प्रतिरोधक क्षमता तथा किसानों की आय में वृद्धि के लिए विकसित की जा रही सतत एवं किसानोन्मुख तकनीकों पर भी प्रकाश डाला।

साइबर ठगी होते ही 1930 पर तत्काल संपर्क करें, जागरूकता को गांव-गांव तक पहुंचाएं : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

साइबर अपराध के खिलाफ जन-जागरूकता को नई गति, विजय शर्मा ने किया 'साइबर संकल्प' का शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ को साइबर अपराधों से मुक्त और सुरक्षित डिजिटल राज्य बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'साइबर जागृति अभियान' को आज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से नई गति मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किए गए 9 मॉड्यूल वाले वीडियो पाठ्यक्रम 'साइबर संकल्प' का शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि आज डिजिटल तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

बैंकिंग, खरीदारी, शिक्षा, व्यापार और सरकारी सेवाओं सहित अनेक कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। डिजिटल सुविधाओं ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधों की नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए 'साइबर संकल्प' एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अंतर्गत 9 वीडियो मॉड्यूल तैयार किए गए हैं और प्रत्येक मॉड्यूल लगभग 5 से 6 मिनट का है। इन वीडियो के माध्यम से नागरिकों को साइबर ठगी के नए तरीकों, डिजिटल सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी।

डिजिटल क्रांति के साथ डिजिटल सुरक्षा भी जरूरी : विजय शर्मा

विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भारत डिजिटल लेनदेन के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। देश में बड़े पैमाने पर डिजिटल लेनदेन हो रहा है और डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधा जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में तकनीक का उपयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क और जागरूक रहना होगा। शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं साइबर अपराधों से बचने के उपाय सीखें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने प्रदेशभर में तैयारियां तेज

धमतरी में 10 लाख दीयों से होगा विशेष आयोजन

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा, समर्पण और जनकल्याणकारी नेतृत्व की यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर प्रदेशभर में तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस एक माह के अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनसेवा, सामाजिक सहभागिता और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धमतरी जिले में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। समीक्षा के दौरान जिला प्रशासन ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए टास्क फोर्स समिति का गठन कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। सभी विभागों द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों के अनुरूप आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। अभियान के प्रथम दिवस 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत धमतरी जिले में लगभग 10 लाख दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

प्रकृति का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी: मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली संवर्धन के संदेश के साथ आज कुंवरपुर, लखनपुर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता की। उन्होंने कार्यक्रम में पौधरोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल प्रकृति की सुंदरता बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता हैं।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी ओर से एक अनमोल उपहार है। पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। हमें पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प लेना होगा। जब जनभागीदारी के साथ हर व्यक्ति अपने आसपास हरियाली बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाएगा, तभी हम एक स्वच्छ, सुंदर और संतुलित पर्यावरण का निर्माण कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा और बदलता पर्यावरणीय स्वरूप हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और गंभीरता से समझने का संदेश दे रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनका संरक्षण करना समय की आवश्यकता है।

मंत्री अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों से आग्रह किया कि वे केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एक पौधे को वृक्ष बनने में कई वर्ष लगते हैं, इसलिए उसकी सुरक्षा और देखभाल करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पौधरोपण करना।

डेविस कप में भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे गुरुचरण सिंह होरा, सीएम साय ने किया सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की वार्षिक आमसभा की बैठक न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन में मुख्यमंत्री एवं संघ के अध्यक्ष विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रदेश में खेलों के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देने और आगामी राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों पर चर्चा की गई।

इस दौरान छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा का विशेष सम्मान किया गया। डेविस कप में भारतीय टीम के साथ मैनेजर/समन्वयक के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने और टीम की सफलता में योगदान के लिए मुख्यमंत्री साय ने उनकी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। सरकार खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए

लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने खेल अलंकरण समारोह की पुन: शुरुआत, बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक और राष्ट्रीय ट्राइबल गेम्स जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी आगे लाया जा रहा है। खेल उत्कृष्ट मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

बैठक में छत्तीसगढ़ को 40वें नेशनल गेम्स की मेजबानीमिलने को प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया गया। इससे खेल अधोसंरचना मजबूत होने और खिलाड़ियों को बड़े मंच मिलने की उम्मीद है।

होरा अब दक्षिण कोरिया में होने वाले डेविस कप मुकाबले में भारतीय टीम के साथ जिम्मेदारी संभालेंगे। टीम में सुमित नागल, युकी भांबरी, मानस धामने, एन. श्रीराम बालाजी और साकेत मायनेनी शामिल हैं।

होरा ने कहा कि देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करना गर्व का विषय है। उन्होंने मुख्यमंत्री साय और राज्य सरकार के खेलों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि 40वें नेशनल गेम्स की मेजबानी से छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को नई पहचान और बेहतर अवसर मिलेंगे।

उन्होंने छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी के नेतृत्व में प्रदेश में टेनिस के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

बता दें कि फरवरी 2025 में टोगो के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में होरा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की थी।

सड़क, नाली, बिजली एवं आवारा पशुओं की समस्या से त्रस्त जनता ने महापौर को अपनी पीड़ा बताई

राजनांदगांव। शहर के चिखली क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नं. 4, 5 एवं 6 के रहवासियों ने अपने वार्ड में व्याप्त विभिन्न समस्याओं की शिकायत करते हुए आज महापौर के घर पहुँचकर उनसे मुलाकात की। वार्ड के रहवासी सुबह-सुबह एकजुट होकर महापौर मधुसूदन यादव के मोतीपुर स्थित निज निवास पहुंचे और अपनी पीड़ा उनके सामने रखी। वार्डवासियों के इस प्रतिनिधिमंडल में शेखर ठाकुर, ललित नायडू, उमाशंकर साहू, अभिषेक दुबे, निन्नावे जी की अनुगवाई में वार्डवासियों ने महापौर के हाथों में अपना आवेदन सौंपते हुए वार्ड की समस्याएँ बताई। उन्होंने महापौर को बताया कि वार्ड की कई मुख्य सड़कों का निर्माण सालों से अधूरा पड़ा है। इन सड़कों पर जगह-जगह बड़े-बड़े गढ्ढे बन गये हैं जो सड़क हादसों का कारण बन रहे हैं। निर्माणाधीन अंडरब्रिज का काम पहले धीमी गति से चल रहा था, जो अब बंद हो गया है, जिससे आवागमन बाधित रहता है। वार्डवासियों ने बताया कि नाली, बिजली और मवेशी भी उनकी मुसीबत का कारण बने हुए हैं। लोगों ने बताया कि महीनों से नालियों की सफाई नहीं हुई है, जिससे गंदगी, दुर्गन्ध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। शाम के समय प्रायः स्ट्रीट लाइटें बंद रहती हैं, पूरा वार्ड अंधेरे में डूब जाता है, जिससे असमाजिक तत्वों एवं चोरों का डर बना रहता है। वहीं सड़कों पर लावारिस घूम रहे गौवंश के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने महापौर को अवगत कराया कि तीन दिन के भीतर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वार्डवासी शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करके शासन-प्रशासन का ध्यानाकृष्ट करने को विवश होंगे। मामले की गंभीरता को समझते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने तत्काल आयुक्त नगर निगम सहित प्रशासनिक अमले को अपने घर पर बुलवाकर, वार्डवासियों की मौजूदगी में निगम के अधिकारियों से विचार विमर्श के उपरान्त, समस्याओं के त्वरित निदान हेतु स्थल निरीक्षण एवं यथोचित आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। महापौर ने वार्डवासियों को भी समस्या निवारण का आश्वासन दिया और फिलहाल आंदोलन स्थगित करके शासन प्रशासन को सहयोग प्रदान करने की समझाइश दी। महापौर के त्वरित कार्यवाही से संतुष्ट होकर वार्डवासियों ने प्रस्तावित आंदोलन को स्थगित रखने की बात पर सहमति व्यक्त की है।

पैथोलैब में लगी भीषण आग, 7 लाख का सामान जलकर खाक

जांजगीर-चांपा। नवागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केरा में संचालित मयंक पैथोलैब में भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। पैथोलैब किराए की दुकान में संचालित था। बताया जा रहा है कि बीती रात मकान मालिक ने दुकान संचालक को फोन कर दुकान में आग लगने की जानकारी दी।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम केरा में मयंक पैथोलेब का संचालन हो रहा था। इस दौरान पैथोलेब में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दुकान संचालक मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। हालांकि, आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक पैथोलैब में रखा करीब 7 लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो चुका था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दुकान संचालक ने नवागढ़ थाना पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

गोविंद सारंग विधि महाविद्यालय में स्वदेशी उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन आयोजित

भाटापारा। गोविंद सारंग शासकीय विधि महाविद्यालय भाटापारा में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग के अन्तर्गत स्वदेशी उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. जयनाराण केशरवानी, पूर्व प्राचार्य शासकीय डी. के. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डॉ. शीला शर्मा, स्वदेशी जागरण मंच महिला प्रमुख, दिग्विजय भाखरे, स्वदेशी जागरण मंच ने अपने विचार रखे, वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को स्वदेशी उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन के प्रति जागरूक करते हुए विकास कौशल के माध्यम स्टार्टअप इंडिया और वोकल फॉर लोकल की जानकारी दी

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विधि विभागाध्यक्ष डॉ. राम आशीष श्रीवास्तव, ने अपने विचार रखे मंच का कुशल संचालन अमीर हैदर हैदरी, ने किया इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम प्रभारी अफरोज कुरैशी ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. ऋषिराज पाण्डेय, डॉ. महेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. किरण चन्द्राकर एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त एवं शिक्षादूत शिक्षकों का किया गया सम्मान

डोंगरगढ । शिक्षक केवल ज्ञान का प्रकाश नहीं फैलाते, बल्कि अपने संस्कारों, समर्पण और मार्गदर्शन से समाज की नई पीढ़ी का निर्माण करते हैं। इसी भावना को आत्मसात करते हुए JP क्लब डोंगरगढ़ माँ बम्लेश्वरी द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सेवानिवृत्त एवं शिक्षादूत शिक्षकों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान प्रकट किया गया।

समारोह में सेवानिवृत्त ई.व्ही. रेवती, प्रभारी प्राचार्य शासकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़, कालिंदी तिवारी, प्राचार्य राजकुमारी जैन, प्राचार्य आशा तिवारी व्याख्याता एवं सुश्री सुप्रिया बक्शी प्रधान पाठक का सम्मान किया गया। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली शिक्षादूत प्रीतिबाला लाटिया शिक्षिका एवं योगेश्वरी कुम्भकार शिक्षिका को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाते हुए वी. भावना सिंह, वी. उषा किरण शाह एवं वी. माधुरी पंडा ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में शिक्षकों के योगदान, उनके त्याग, अनुशासन एवं समाज निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सम्मानित शिक्षकों ने साझा किया अनुभव समारोह का सबसे भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी पक्ष रहा, जब सभी सम्मानित शिक्षिकाओ ने अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव, संस्मरण एवं विचार उपस्थित सदस्यों के साथ साझा कर शिक्षा के क्षेत्र को आलोकित कर अपने समर्पण, विद्यार्थियों के प्रति आत्मीयता तथा कर्तव्य के प्रति निष्ठा की झलक दिखाई दी। उनके संस्मरणों ने उपस्थित सभी लोगों को भावुक एवं प्रेरित किया।

सेवा संकल्प अभियानः अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

बालोद ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला पंचायत बालोद के सभाकक्ष में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, उपाध्यक्ष श्री तोमन साहू एवं जिला पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में अभियान की तैयारियों, गतिविधियों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मुख्य ध्येय शासन की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं और सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए पंचायत स्तर पर जनभागीदारी को बढ़ावा देकर काम को परिणाममूलक बनाया जाएगा।

जन-जागरूकता पर जोर

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान को लेकर जागरूकता फैलाने और पंचायत प्रतिनिधियों सहित आम ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

हितग्राहियों को जोड़ने की पहल

केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो चुके हितग्राहियों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित हो सकें।

विशेष आयोजनः17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया

अभियान के अंतर्गत आगामी 17 सितंबर 2026 को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत प्रशासन ने इस अवसर पर अधिक से अधिक ग्रामीणों से बढ़-चढ़कर भाग लेने और जनभागीदारी निभाने की अपील की है।

वार्ड 23 सिविल लाइन की बेशकीमती जमीन पर मौत को दावत देते 70 साल पुराने जर्जर क्वार्टर

डोंगरगढ़ । नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के वार्ड नंबर 23 सिविल लाइन में स्थित शासकीय क्वार्टर है लगभग 70 साल पुराने ये क्वार्टर पूरी तरह जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की अनदेखी के चलते अब तक डिस्मेंटल नहीं किए गए हैं। खास बात यह है कि इन जर्जर क्वार्टरों के ठीक सामने एक बड़ा ग्राउंड है, जहां रोजाना बच्चे खेलते हैं और समय-समय पर अनेक सामाजिक व धार्मिक आयोजन भी होते रहते हैं। जर्जर दीवारों और छतों से कभी भी बड़ा हादसा होने की संभावना बनी हुई है। दीवारों पर काई जम गई है, प्लास्टर उखड़ रहा है, और चारों तरफ झाड़ियां उग आई हैं । मामले को लेकर नगर पालिका परिषद के सभापति सुमित ताम्रकार ने प्रशासन को अवगत कराया है। उन्होंने बताया कि यह अत्यंत बेशकीमती शासकीय जमीन है। वर्तमान में एक जर्जर क्वार्टर को तोड़कर वहां उप-पंजीयन कार्यालय का निर्माण किया जा रहा है, जो सराहनीय पहल है। उसी तर्ज पर शेष बचे जर्जर क्वार्टरों को भी तोड़कर जमीन का सदुपयोग किया जाना चाहिए। सभापति ताम्रकार ने मांग की है कि इस जमीन पर सामुदायिक भवन, गार्डन, पार्किंग या अन्य शासकीय कार्यालयों का निर्माण किया जाए ताकि नागरिकों को सीधा लाभ मिल सके और दुर्घटना की संभावना भी टल जाए।

स्थानीय लोगों में डर का माहौल -

स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई बार रात में यह जगह नशाखोरी का अड्डा बन जाती है। लोगों ने कलेक्टर और नगर पालिका से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

जनभागीदारी से सूरजपुर जिले के शासकीय विद्यालयों में आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

रायपुर। बैगलेस डे पर विद्यालयों में बच्चों को बस्ते के बोझ से मुक्त रखकर स्वच्छता, रचनात्मक और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से आनंदमय शिक्षा दी जाती है। बैगलेस डे के अंतर्गत बच्चों को पारंपरिक पढ़ाई के अतिरिक्त खेल, चित्र, चर्चा, स्वतंत्रता जागरूकता एवं मौलिक विचारधारा की स्थापना में शामिल किया जाएगा। इससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता, निर्देशन, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होगी।

कलेक्टर सूरजपुर रेना जमील और जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में शनिवार को जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में बैगलेस डे के अवसर पर विभिन्न रचनात्मक और व्यावहारिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधियों, पालकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान, खेलकूद और कलात्मक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बैगलेस डे के तहत विद्यालय परिसरों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। बच्चों ने गाजर घास उन्मूलन, परिसर व शौचालयों की साफ-सफाई, पाउच-पन्नी का सुरक्षित निस्तारण और पेयजल स्रोतों की स्वच्छता का कार्य किया। इन गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया, जिससे वे स्वच्छ और सुंदर विद्यालय के महत्व को समझ सकें।

विद्यार्थियों के बौद्धिक और सृजनात्मक विकास के लिए कई दिलचस्प गतिविधियां आयोजित की गईं। कल्पनात्मक निबंध पेड़ बोल सकते तो क्या कहते विषय पर बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता के आधार पर सुंदर निबंध लिखे। पेपर क्राफ्ट और कला के माध्यम से कागज को मोड़ने और काटने की तकनीक से बच्चों ने नाव, हवाई जहाज, तितली और मेंढक जैसी आकर्षक आकृतियां बनाईं। बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट के द्वारा विद्यार्थियों ने कागज से ग्रीटिंग कार्ड और कबाड़ से जुगाड़ यानी अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी कलात्मक वस्तुएं तैयार कीं।

सामुदायिक सहभागिता से हुआ न्योता भोजन इस विशेष दिन पर विद्यालयों में समुदाय आधारित न्योता भोजन का भी आयोजन किया गया। माध्यमिक शाला कन्या रामानुजनगर में स्थानीय व्यवसायी श्रवण कुमार गुप्ता ने अपने जन्मदिन के अवसर पर संकुल समन्वयक जयप्रकाश बरेठा के साथ मिलकर बच्चों को न्योता भोजन कराया।

गर्मी का धान 26 हजार से घटकर 5 हजार हेक्टेयर, बेमेतरा क्रिटिकल जोन से बाहर

बेमेतरा । भूजल के लिहाज से बेमेतरा के लिए बड़ी राहत की खबर है। गर्मी के मौसम में धान की खेती का रकबा कम करने का असर अब भूजल पर साफ दिखाई देने लगा है। भूजल संसाधन आकलन-2026 में बेमेतरा क्रिटिकल श्रेणी से बाहर आ गया है। जिले में वर्ष 2023 की तुलना में कुल भूजल दोहन में करीब 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसका सबसे बड़ा कारण गर्मी के धान के रकबे में आई भारी कमी को माना गया है। प्रदेश में वर्ष 2020 में 9 विकासखंड भूजल दोहन की क्रिटिकल श्रेणी में थे। वर्ष 2025 में भी 5 विकासखंड इस श्रेणी में बने हुए थे। अब 2026 के आकलन में इन सभी पांचों विकासखंडों के क्रिटिकल श्रेणी से बाहर आने के बाद प्रदेश में एक भी विकासखंड क्रिटिकल नहीं बचा है। विकासखंडवार भूजल आकलन शुरू होने के बाद इसे प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा एक-चक्रीय सुधार बताया गया है।

बेमेतरा में 26 हजार हेक्टेयर का गर्मी धान अब सिर्फ 5 हजार

भूजल संरक्षण के मामले में बेमेतरा की तस्वीर बदलने में फसल विविधीकरण की बड़ी भूमिका सामने आई है। जिले में गर्मी के मौसम में धान का रकबा करीब 26 हजार हेक्टेयर से घटकर महज 5 हजार हेक्टेयर रह गया। यानी करीब 21 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गर्मी के धान की खेती कम हुई। गर्मी में धान की फसल में सिंचाई के लिए बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत पड़ती है। ऐसे में रकबा घटने से भूजल पर सिंचाई का दबाव भी कम हुआ। आकलन में इसी बदलाव को बेमेतरा के भूजल दोहन में आई कमी का महत्वपूर्ण कारण माना गया है।

लगातार चार आकलन चक्र बाद क्रिटिकल श्रेणी से बाहर बेमेतरा के लिए यह सुधार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जिला लगातार चार आकलन चक्रों तक क्रिटिकल श्रेणी में रहा। इस दौरान भूजल के अत्यधिक उपयोग को लेकर लगातार चिंता बनी रही। अब फसल पद्धति में बदलाव, जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण के प्रयासों का असर एक साथ दिखाई दिया है। आकलन के मुताबिक बेमेतरा में वर्ष 2023 की तुलना में कुल भूजल दोहन में करीब 20न्न कमी आई है। यानी जिले में सिर्फ बारिश या भूजल रिचार्ज बढ़ने से स्थिति नहीं सुधरी, बल्कि पानी की मांग और विशेष रूप से सिंचाई के लिए भूजल पर निर्भरता भी कम हुई है।

'बालोद जिले के 4000 से अधिक हितग्राहियों ने मनाया गृह प्रवेश उत्सव, पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ सौंपी गई 'खुशियों की चाबी'

बालोद, । प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, पीएम जनमन एवं विशेष परियोजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में निर्मित नए आवासों का राज्य स्तरीय गृह प्रवेश समारोह 11 सितम्बर 2026 को सक्ती जिले में आयोजित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में भारत सरकार के केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं कल्याण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की। इस अवसर पर दोनों अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 02 लाख से अधिक हितग्राहियों को उनके पक्के मकानों में 'खुशियों की चाबी' सौंपकर गृह प्रवेश कराया गया।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत सुनील कुमार चन्द्रवंशी के मार्गदर्शन में 11 सितम्बर को जिले के समस्त विकासखण्डों में सामूहिक रूप से अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन कर ग्रामीण अंचलो में गृह प्रवेश का यह उत्सव पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोक परंपराओं के साथ मनाया गया।

इस विशेष अवसर पर बालोद जिले के 4000 से अधिक आवासों के लाभार्थियों के नए घरों को दीपों से रोशन कर उनके आंगनों को आकर्षक रंगोली से सजाकर जिले में एक उत्सव का माहौल तैयार किया गया। गृह प्रवेश के इस गरिमामय अवसर पर सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जिले एवं सभी जनपद स्तर के जनप्रतिनिधियों को सादर आमंत्रित किया गया था। जिनकी गरिमामय उपस्थिति में हितग्राहियों ने अपने नवीन पक्के मकानों में विधिवत प्रवेश किया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान सभी पात्र हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों के करकमलों से सम्मानपूर्वक 'आभार पत्र, 'खुशियों की चाबी' एवं 'स्मृति चिन्ह' भेंट किए गए।

पुराना-नया ढाबा में विकास कार्यों की सौगात, महापौर मधुसूदन यादव ने किया लोकार्पण

राजनांदगांव । वार्डो में विकास कार्यो को गति देने के तहत नगर निगम द्वारा वार्ड नं. 4 के पुराना ढाबा में विधायक निधि अंतर्गत 2.50 लाख रूपये की लागत से सार्वजनिक मंच एवं नया ढाबा में विधायक व पार्षद निधि अंतर्गत 5.50 लाख रूपये की लागत से शहरी स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र का निर्माण किया गया है। जिसका महापौर मधुसूदन यादव ने नया एवं पुराना ढाबा में अलग अलग आयोजित कार्यक्रम में फीता काटकर पट्टीका का अनावरण कर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में नामांकित पार्षद नागेश यदु,पूर्व पार्षद हीरालाल निर्मलकर, पार्षद प्रतिनिधि सचिन टुरहाटे, जागृति दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष गौतम निर्मलकर, न्यू जागृति गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर सहित पवन निर्मलकर, गेमूलाल कुंजाम तथा मितानिन बहने विशेष रूप से उपस्थित थे। लोकार्पण कार्यक्रम में अपने संबोधन में महापौर यादव ने बधाई देते हुए कहा कि, वार्डवासियो के स्वास्थ्य सुविधा के लिए शहरी स्वास्थ्य केन्द्र तथा भगवान गणेश व माता दुर्गा स्थापना हेतु विधायक निधि से सार्वजनिक मंच निर्माण किया गया है। उक्त दोनो कार्यो की मांग अनुसार हमारे विधायक ने अपनी विधायक निधि से राशि स्वीकृत किए और नगर निगम द्वारा इसका निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि हमारे विधायक डॉ. रमन सिंह एंव सांसद संतोष पाण्डे शहर विकास में अपनी निधि सहृदयता से देते है, उनकी सोच वार्डो में मूलभूत सुविधा बिजली, पानी सफाई के अलावा अन्य विकास कार्य हो जिसका लाभ वार्डवासियो को मिल सके। महापौर ने अतिरिक्त कक्ष निर्माण की मांग पर प्राथमिकता से कार्य कराने का आश्वासन दिया।

लोकापर्ण के पूर्व नया व पुराना ढाबा में संतोष निर्मलकर, जसवंत निर्मलकर, अख्तर अली, किशन लाल निर्मलकर, माधव रजक, देवानंद निर्मलकर, मनमोहन निर्मलकर, होमेंन्द्र साहू, दिलीप साहू, गोवर्धन रजक, भोजलाल रजक, बिट्टू साहू, नरोत्तम रजक, नवीन निर्मलकर, मनीष निर्मलकर, विकास मेश्राम, संतोष सिन्हा, पिन्टू रजक, कबीर साहू ने महापौर का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। स्वागत पश्चात पूजा अर्चनाकर मंच एवं स्वास्थ्य केन्द्र का महापौर ने विधिवत लोकापर्ण किया। इस अवसर पर उप अभियंता मती पिंकी खाती एंव वार्डवासी उपस्थित थे।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक बीजापुर में चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

बीजापुर, । सेवा, सहभागिता और संकल्प का संदेश लेकर बीजापुर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की जनसेवा एवं समर्पण यात्रा के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस एक माह के अभियान में जिले के गांवों, वार्डों, विकासखंडों और जिला मुख्यालय में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा। इस दिन बीजापुर जिले में सेवा और संकल्प का संदेश दीपों के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। जिला स्तरीय आयोजन मिनी स्टेडियम मैदान में होगा, जबकि ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों एवं निर्माण कार्य स्थलों पर भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। यह दीप 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प का प्रतीक होगा। अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर विश्वदीप ने शुक्रवार को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नोडल एवं सहयोगी विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान को केवल कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि हर गतिविधि में अधिकतम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। ग्राम एवं वार्ड स्तर तक मैदानी अमले के दायित्व तय कर समयबद्ध कार्ययोजना के अनुरूप क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए। सीईओ जिला पंचायत एवं अभियान की नोडल अधिकारी नम्रता चौबे ने बैठक में पीपीटी के माध्यम से अभियान की गतिविधियों, कार्ययोजना एवं दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स गठित की गई है तथा गतिविधिवार नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

डोंगरगढ़ के रेलवे प्लेटफार्म नंबर 03 में युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

डोंगरगढ़ । शुक्रवार को डोंगरगढ़ के प्लेटफार्म में 03 के यात्री कुर्सी में लगभग तीस पैंतीस साल के युवक की मृत अवस्था में पड़े मिलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया और जिसकी सूचना जीआरपी थाना डोंगरगढ़ को दी गई। सूचना पर जीआरपी पुलिस द्वारा तत्काल मौका स्थल पर पहुंच अज्ञात पुरुष जिसकी उम्र लगभग 30-35 साल रंग सांवला ऊंचाई 5 फीट 5 इंच काले कत्थई रंग के चप्पल, गमछा सफेद रंग का पहना है जो प्लेटफार्म नंबर 03 के नागपुर छोर के यात्री कुर्सी पर मृत अवस्था में पाया गया जिसका गुम इंसान कायम

क्षेत्र के समस्त थाना चौकी प्रभारियों को जानकारी प्रदान कर मृतक शव को डोंगरगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शव गृह में रखा गया है। पुलिस द्वारा आम लोगों से अपील की गई है कि मृत युवक की पहचान होते ही जीआरपी पुलिस व डोंगरगढ़ पुलिस को जानकारी प्रदान कर जनहित में सहयोग करें।

माह भर चलने वाले सेवा संकल्प आयोजन में बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाने आह्वान

बालोद । भारतीय जनता पार्टी जिला भाजपा महिला मोर्चा बालोद का तीज मिलन समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ। शामिल सैकड़ों महिलाओं में गजब का उत्साह नजर आया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने अपनी भागीदारी निभाई। अतिथियों ने तीज का महत्व बताया तो वहीं भारतीय जनता पार्टी का माह भर चलने वाले सेवा सप्ताह कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने सेवा संकल्प अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें 13 विभिन्न कार्यक्रम हैं, जो जिले, मंडल, बूथ और शक्तिकेंद्रों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम को अपने संबोधन में प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा कि तीज का उत्सव हम महिलाओं के लिए खास होता है। इसे हम मायके और ससुराल दोनों पक्षों के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखते हुए उत्सव पूर्वक मानते हैं।

इससे पहले अध्यक्षीय भाषण में जिला भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ मोना टुवानी ने पूरे जिले से पधारी माताओं एवं बहनों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आप सभी का प्यार ही है जो बालोद जिले में पहली बार इतना बड़ा तीज महोत्सव का आयोजन हुआ है। सेवा सप्ताह कार्यक्रम के संबंध में बताया कि सबसे पहला कार्यक्रम आशीर्वाद का दीया है, जिसके तहत

सभी जिलेवासियों से 17 सितंबर को शाम को एक दीया जलाने की अपील की गई।

डॉ टुवानी ने जिले, मंडल, बूथ एवं शक्तिकेंद्रों से आई महिलाओं को पोला एवं तीजा की बहुत बहुत बधाई एवं

भाटापारा-युवक काँग्रेस सदस्यता अभियान के तहत भाटापारा विधान सभा क्षेत्र के गांव गांव पहुंचे

युवक काँग्रेस सदस्यता अभियान की शुरुवात

भाटापारा । ग्रामपंचायतसुरखी,सेंदरी,बोड़तरा, धुर्राबंधा,अचानकपुर,कोसमंदा का सघन दौरा काँग्रेस नेता पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने करते हुये युवाओं को सदस्यता अभियान तहत सदस्य बनने प्रदेश में चल रहे युवक काँग्रेस चुनाव में मतदान प्रक्रिया से भली भाँति पूर्वक अवगत कराया,इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र के किसानो,मजदूरो सहित काँग्रेस जनों से रूबरू होते केंद्र और राज्य की सतासीन भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों से अवगत कराते सरकार की दमनकारी नीतियों से परेशान और भयभीत जनता की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर निराकरण करने का आश्वासन दिया,जनता ने कमरतोड़ मंहगाई समय पर खाद बीज नहीं मिलने अघोषित बिजली कौटोती सहित स्मार्ट मीटर से अनाप-शनाप बिजली बिल भुगतान करने से परेशान मोदी और विष्णु साय सरकार को जमकर कोसा। पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने जनता जनार्दन को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। सुशील शर्मा के गाँव पहुँचने पर किसानो ने उनके मंडी अध्यक्ष कार्यकाल में किसानो और वायपारियो के हितार्थ निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी नवनिर्मित आधुनिक कृषि ऊपज मंडी सहित गांव गांव में उल्लेखनीय उपलब्धियों का उल्लेख करते उनके सम्मान में पुष्पहार पहनाकर आतिशबाजी भी ग्रामीण जनों ने किया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अजीत बाजपेयी जिला उपाध्यक्ष,जिला सचिव सचिन शर्मा,युवा नेता राजा तिवारी,फैजान अहमद,कौशल साहू भुनेश्वर शर्मा,टेकराम वर्मा,संतोष साहू, सहित अनेक काँग्रस जन उपस्थित थे ।

कैंसर बीमारी से जूझ रहे रवि के प्रयास से इलाज के लिए मिला 17 लाख

जांजगीर-चांपा । भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता एवं समाजसेवी इंजीनियर रवि पाण्डेय के प्रयासो से ग्राम लोहर्सी खरौद के 23 वर्षीय दीपमाला साहू, जो ब्लड कैंसर नामक बिमारी से पीड़ित है उसके इलाज के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से 17.89 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से दीपमाला का उपचार एम्स में कराया जा सकेगा। दीपमाला अत्यंत ही कमजोर परिवार से आती है और उसके इलाज के लिए इतनी बड़ी राशि का खर्च कर पाना उसके माता-पिता के लिए असंभव था। कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए उनके उपचार के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद इंजीनियर रवि पाण्डेय ने दीपमाला के उपचार में सहयोग करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया में माध्यम की भूमिका निभाई। उनके प्रयासों के फलस्वरूप उपचार के लिए 17.89 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत हुई है। सहायता राशि स्वीकृत होने से दीपमाला के परिवार को बड़ी राहत मिली है। अब बेहतर उपचार की उम्मीद जगी है और दीपमाला के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की जा रही है। इंजीनियर रवि पाण्डेय ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य है। गंभीर बीमारी से जूझ रही दीपमाला के उपचार में सहयोग कर उन्हें योजना का लाभ दिलाने में माध्यम बनना संतोष का विषय है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए जीवन की कठिन घड़ी में बड़ी उम्मीद और सहारा बन रही है।

एक माह में कम से कम 5 लाख रूपये वसूली का लक्ष्य लेकर वसूली करने के महापौर ने दिए निर्देश

राजनांदगांव । आज निगम सभागृह में महापौर मधुसूदन यादव ने आयुक्त जी.आर. मरकाम की उपस्थिति में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में वसूली की वार्डवार जानकारी लेकर अच्छी वसूली लाने के लिए सभी राजस्व प्रभारियो को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी वार्डप्रभारियो को इमानदारी के साथ मेहनत कर वसूली करना है, जिससे हम शासन लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली कर सकते है। महापौर ने बैठक में कहा कि आयुक्त एवं राजस्व अधिकारी दो माह से आप लोगो के साथ मिलकर वसूली के लिए अच्छा प्रयास किए, इसका प्रतिफल मिल रहा है। सभी कर्मचारी मेहनत कर रहे है कुछ कर्मचारियो की वसूली बहुत अच्छी आ रही है किन्तु कुछ कर्मचारियो की वसूली अभी भी बहुत कम है, उन्हें जवाबदारी समझ अच्छी वसूली करनेवालो से सीख लेकर वसूली बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में नये कर्मचारियो को भी संलग्न किए है, उनको सहयोग करे और उनके साथ जाकर वसूली करे। महापौर यादव ने कहा कि समय पर वेतन देना हमारा लक्ष्य होता है, जो आप लोगो की वसूली पर निर्मर होती है। सभी सहायक राजस्व निरीक्षक एवं राजस्व उप निरीक्षको को पूरी उर्जा लगाकर वसूली करना है। इसके लिए इसी माह से हर माह 5 लाख रूपये वसूली का लक्ष्य लेकर काम करना है। जवाबदारी से काम करने पर राजस्व वसूली अच्छी होगी और समय पर वेतन मिलेगा। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी तो अपने वेतन के बराबर वसूली नही कर पाते जो उनकी लापरवाही दर्शाता है। प्रतिदिन करदाताओ के घर जाकर वसूली करना सुनिश्चित करे, बडे बकायादारो को किश्तो में राशि देने समझाईस देवे। उन्होंने कहा कि एक माह में आपके क्षमता का आकलन होगा और अगले माह उसकी समीक्षा की जायेगी।

आयुक्त मरकाम ने बैठक में कहा कि महापौर महोदय ने प्रोत्साहन देने के साथ साथ मार्गदर्शन भी दिए है, उनके मार्गदर्शन अनुसार कार्य कर लक्ष्य के अनुरूप कार्य करना है। उन्होंने कहा कि शासन समीक्षा में 14 नगर निगमो में राजनांदगांव नगर निगम वसूली में 7वें स्थान पर है, आप सभी ने दो माह में मेहनत किए, डिमाण्ड नोटिस तैयार कर उसके अनुरूप वसूली किए उसी का परिणाम है, लेकिन और ज्यादा मेहनत कर प्रथम स्थान प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन करदाताओ के घर जावे, उन्हें करो का भुगतान करने समझाईस देवे, भुगतान नही करने पर दण्ड लगेगा ऐसा बतावे, पार्षदों से भी वसूली में सहयोग लेवे।

नेशनल लोक अदालत में नगर पालिका परिषद भाटापारा ने 65 प्रकरणों का किया त्वरित निपटारा

भाटापारा । राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 12 सितम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा बकाया करों व लंबित मामलों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष पीठ का गठन किया गया था।

लोक अदालत शिविर के दौरान नगर पालिका की टीम द्वारा नागरिकों को जल कर, संपत्ति कर तथा अन्य नगरीय शुल्कों के निपटारे पर छूट व समझौते का लाभ दिया गया। शिविर में कुल 65 प्रकरणों का दोनों पक्षों की सहमति से मौके पर ही सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इसके माध्यम से नगर पालिका परिषद को कुल ?950346/- रुपए के बकाया राजस्व की वसूली प्राप्त हुई।

नगर पालिका अधिकारी ने लोक अदालत की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लोक अदालत न केवल न्यायालयीन एवं प्रशासनिक लंबित मामलों को सुलझाने का एक सुलभ माध्यम है, बल्कि इससे आम नागरिकों को आर्थिक राहत व समय की बचत भी होती है। उन्होंने सहयोग प्रदान करने वाले सभी करदाताओं व नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत हुआ गृह प्रवेश

छुरिया । ग्राम पंचायत जोशीलमती में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत नवनिर्मित आवास में गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में हितग्राही के नए घर में प्रवेश की प्रक्रिया संपन्न हुई। गृह प्रवेश कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती गोमती साहू, उप सरपंच चित्रांगन साहू, सचिव अंजोरी राम चंद्रवंशी एवं रोजगार सचिव देवकुमार निषाद सहित पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

इस दौरान जगनू नेताम, जयपाल, उमेश साहू, मेनका साहू, खोमलता साहू, गीता साहू, सवाना साहू, शारदा चंद्रवंशी, बसंती साहू, दीपा, धनसीर बाई एवं मनीषा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास मिलने पर खुशी व्यक्त की।

सतनामी समाज की बहुप्रतीक्षित रंगमंच निर्माण का भूमिपूजन किये विधायक इन्द्र साव

भाटापारा । विधायक इन्द्र साव ने ग्राम कुम्हरखान में सतनामी समाज की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए रंगमंच निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। इस विकास कार्य के होने से स्थानीय ग्रामीणों और विशेषकर सतनामी समाज में भारी हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर आयोजित गरिमामयी कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक इन्द्र साव ने कहा कि समाज के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के लिए बुनियादी सुविधाओं का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस रंगमंच के निर्माण से समाज को आने वाले समय में जयंती, सामाजिक बैठकों, सांस्कृतिक आयोजनों और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संपन्न करने में बड़ी सुविधा होगी।

विधायक इन्द्र साव ने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकजुटता पर विशेष बल देते हुए कहा, रंगमंच केवल एक भवन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने और मजबूत करने का माध्यम बनेगा। हमें मिलकर समाज को प्रगति के पथ पर आगे ले जाना है और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में सतनामी समाज के प्रमुख पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

थायरॉइड को लेकर भ्रम छोड़ें हकीकत के बारे में जानें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

कुछ बीमारियां शरीर से ज्यादा हमारी कल्पना पर कब्जा कर लेती हैं। थायरॉइड उनमें से एक है। वजन बढ़े तो सलाह आती है- थायरॉइड चेक कराओ। हाइपोथायरॉइडिज्म हो तो गोभी, फूलगोभी और सोया से दूर रहने को कहा जाता है। कई लोग मान बैठते हैं कि थायरॉइड की बीमारी हो गई तो जिंदगी भर वजन, कमजोरी, बांझपन और दवाओं से संघर्ष ही नियति है। विज्ञान अधिकांश ऐसी धारणाओं का समर्थन नहीं करता। सबसे प्रचलित भ्रम वजन को लेकर है। हाइपोथायरॉइडिज्म से वजन बढ़ सकता है, लेकिन अधिकांश लोगों में यह वृद्धि बहुत अधिक नहीं होती। आमतौर पर कुछ किलो वजन बढ़ता है और उसका कुछ हिस्सा शरीर में नमक और पानी रुकने से होता है। इसलिए यदि वजन 15 या 20 किलो बढ़ गया है, तो पूरा कारण थायरॉइड को मानना ठीक नहीं। उचित थायरॉक्सिन खुराक के बाद टीएसएच और टी4 सामान्य हों, लेकिन मोटापा बना रहे, तो भोजन, शारीरिक गतिविधि, नींद, तनाव, दवाओं, आनुवंशिक प्रवृति और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसे कारणों को देखना चाहिए।

दूसरा खतरनाक भ्रम है कि थायरॉक्सिन की ज्यादा खुराक वजन कम करा सकती है। जरूरत से अधिक थायरॉक्सिन लेने से चर्बी सुरक्षित तरीके से कम नहीं होती। इसके बजाय तेज धड़कन, हाथ कांपना, कमजोरी, हृदय संबंधी समस्याएं और हड्डियों तथा मांसपेशियों का नुकसान हो सकता है। थायरॉक्सिन हाइपोथायरॉइडिज्म की दवा है, वजन घटाने की नहीं। खानपान को लेकर भी अनावश्यक डर है। गोभी, फूलगोभी, ब्रोकली, सरसों और सोया को अक्सर 'थायरॉइड खराब करने वाला' भोजन बताया जाता है। सोया थायरॉइड ग्रंथि को नष्ट नहीं करता, लेकिन थायरॉक्सिन की गोली के तुरंत बाद या पहले लेने पर उसके अवशोषण को प्रभावित कर सकता है। समाधान सोया बंद करना नहीं, बल्कि दवा और भोजन के बीच पर्याप्त समय रखना है। 'थायरॉइड है, इसलिए बांझपन होगा' जैसी धारणा गलत है और अनावश्यक तनाव पैदा करती है। एक और भ्रम आधुनिक 'वेलनेस' संस्कृति ने पैदा किया है-सेंधा, गुलाबी या हिमालयन नमक को आयोडीनयुक्त नमक से बेहतर मानना। असली प्रश्न है कि नमक पर्याप्त आयोडीन देता है या नहीं। आयोडीन थायरॉइड हार्मोन के निर्माण के लिए अनिवार्य है और गर्भावस्था तथा बचपन में इसकी कमी मस्तिष्क विकास को प्रभावित कर सकती है। आयोडीनयुक्त नमक सार्वजनिक स्वास्थ्य की बड़ी सफलता है। इसलिए गैर-आयोडीनयुक्त नमक अपनाना समझदारी नहीं। ज्यादा आयोडीन भी ठीक नहीं, लक्ष्य पर्याप्तता है, अति नहीं।

थायरॉइड जांच को लेकर भी एक उपयोगी बात समझनी चाहिए। टीएसएच में दिनभर प्राकृतिक उतार-चढ़ाव होता है। इसलिए फॉलोअप जांच लगभग समान समय पर व संभव हो तो सुबह कराना बेहतर है। थायरॉक्सिन लेने वालों में कई बार सुबह की गोली से पहले रक्त का नमूना देना रिपोर्टों की तुलना को अधिक स्पष्ट बना सकता है।

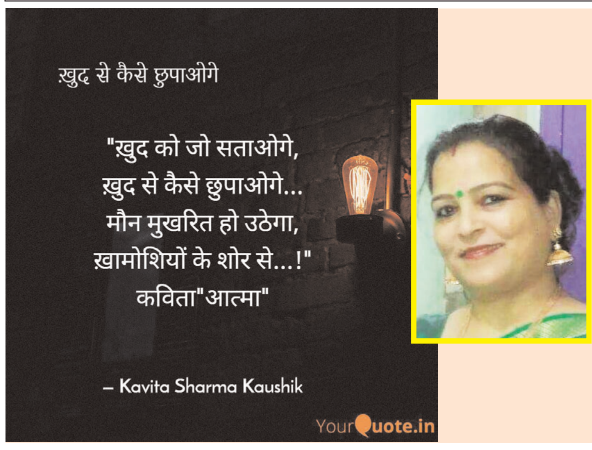

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान श्रीराघवेंद्र कहते हैं कि जिसके अंत:करण में क्रिया से वैराग्य प्राप्त करने की इच्छा है उसको संत का संग प्राप्त करने की चेष्टा करनी चाहिए। तथा अंत:करण में सत्संग की इच्छा लेकर प्रभु जब कैकेई (क्रिया) के महल में जाते हैं तो भगवान श्रीराघवेंद्र की प्रसन्नता चौगुनी हो जाती है तथा प्रभु वन को चले जाते हैं। उसके पश्चात कैकेईजी के महल में तीसरे पात्र श्रीभरत जाते हैं। भगवान राम ने यह बँटवारा कर दिया। प्रभु ने कहा - भरत

! हम दोनों भाइयों का बंटवारा यही है कि जो अपने को परिवर्तित करने के लिए प्रस्तुत नहीं है उन्हें दंड देने का कार्य मेरा है। तथा अयोध्या में परिवर्तन का कार्य श्रीभरत को सौंपा जाता है। श्रीभरत कैकेईजी के अंत:करण को बदलकर उन्हें भी स्वस्थ बनाते हैं। क्रिया में जो दोष आ गए थे वे उन दोषों का निराकरण करते हैं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

क्या हमारी यात्राएं अकेलेपन से जूझ रही हैं

याद हैं वो दिन, जब पूरा परिवार साथ में यात्राएं करता था? तब यात्राएं कभी भी सिर्फ किसी मंजिल तक पहुंचने का नाम नहीं हुआ करती थीं। वे अपने आप में एक इवेंट थीं, उनमें एक रोमांच था और अकसर चलती-फिरती पिकनिक भी।

बचपन में हम ट्रेन की खिड़की से चिपके रहते थे और अगले स्टेशन का इंतजार करते थे। जैसे ही ट्रेन धीमी होती, हमारे युवा पिता प्लेटफॉर्म-विहीन स्टेशन पर उतर जाते, क्योंकि हम बच्चों को नीचे उतरने की इजाजत नहीं थी। वे फूड-कार्ट की ओर दौड़ते और हममें से कोई चिल्लाता, 'डैडी, वो वाला नहीं! उसके बगल में जो पीला पैकेट है, वो!' ऐसा करके हम ठीक-ठीक बता देते कि हमें कौन-से बिस्किट चाहिए।

कोयले के इंजन की लंबी सीटी बजने से पहले पिता को वापस लौट आना होता था। और जब वह सीटी बजती, तो हम सब मिलकर गाने लगते- 'गाड़ी बुला रही है, सीटी बजा रही है!' आसपास बैठे यात्री हमारी बचकानी हरकतों पर मुस्करा देते।

1960 के दशक की यात्राएं ऐसी ही हुआ करती थीं : खाओ, ऊपर वाली बर्थ पर चढ़ो, कुछ मिनट सोने का नाटक करो, फिर नीचे उतरकर दोबारा खाओ। जैसे ही पिता बिस्किट का पैकेट हमारे हाथ में देते, हम उस पर टूट पड़ते और दांतों से उसका रैपर फाड़ते।

तब मां तुरंत हमारी पीठ पर चपत लगातीं और कहतीं, 'सब कुछ मुंह से छुओगे, तो बीमार पड़ जाओगे!' वे पैकेट झपटकर अपने पास रख लेतीं, फ्लास्क से स्टील के गिलासों में गरम दूध उड़ेलतीं और हम बिस्किटों को उसमें डुबोकर खाने लगते।

हमें कभी परवाह नहीं होती थी कि बिस्किट किस ब्रांड के हैं, उनमें कौन-कौन-सी चीजें हैं या कितनी कैलोरी हैं। खाली रैपर देखकर हमारा बस एक ही सवाल हुआ करता था : एक और बिस्किट बचा है क्या? अगर जवाब 'नहीं' होता, तो खाली पैकेट तुरंत चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया जाता। कभी-कभी वो पैकेट हवा में उड़कर सामने बैठे अंकल की खिड़की से अंदर पहुंच जाता और वे उसे पकड़ लेते। तब वे हमें ऐसी नजर से देखते, मानो कह रहे हों : 'बैड हैबिट्स'। हम भी तुरंत कह देते, 'सॉरी'।

उस जमाने में ट्रेन का डिब्बा लगभग किसी छोटी-सी बस्ती जैसा होता था। हम छह सीटों वाले किसी भी कूपे में चले जाते और वहां बिल्कुल अनजान लोग भी हमारा स्वागत करते। कोई हमें खाने के लिए कुछ दे भी देता। हम शिष्टता से मना करते और भागकर अपने माता-पिता के पास लौट आते। अब 2026 में आइए। पिछले हफ्ते मुंबई एयरपोर्ट से यात्रा करते हुए अचानक मुझे एहसास हुआ कि घर से निकलने के बाद मैंने एक भी व्यक्ति से बात नहीं की थी।

टैक्सी प्री-पेड थी, इसलिए ड्राइवर ने मुझे चुपचाप एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार पर उतार दिया। डिजीयात्रा ऐप ने मेरा चेहरा पहचान लिया, इसलिए एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवानों से भी मुझे बात करने की जरूरत नहीं पड़ी। इंडिगो के कियोस्क पर मैंने अपना सूटकेस खुद चेक-इन कर दिया।

मशीन ने दो कागज निकाले- एक बोर्डिंग पास और एक बैगेज टैग। सुरक्षा जांच के दौरान और फिर बोर्डिंग गेट पर भी कैमरों ने मुझे पहचान लिया। किसी बातचीत की जरूरत नहीं थी। मैं अपनी सीट पर पहुंचा, नॉइज़-कैंसलिंग हेडफोन लगाए, गले में अपना 'डु नॉट डिस्टर्ब' का संकेत लटकाया और आंखें बंद कर लीं। मेरी आंखें तभी खुलीं, जब विमान के उतरते समय मुझे एक हलका-सा झटका लगा। घर से निकलने के बाद मैंने जो पहला वाक्य बोला, वह एयरपोर्ट के बाहर अपने ऑफिस के ड्राइवर से था।

आधुनिक यात्राओं में आपका स्वागत है। ये बहुत दक्षतापूर्ण होती हैं। इनमें कहीं झंझट नहीं होती। ये अद्भुत रूप से सुविधाजनक हैं। लेकिन इसी फेर में ये बेहद अकेलेपन से भी भर गई हैं। शायद हमें 1960 के दशक की यात्राओं का थोड़ा-सा हिस्सा अपनी 2026 की जिंदगी में वापस लाने की जरूरत है।

नहीं, हमें कोयले से चलने वाले इंजनों को वापस लाने की जरूरत नहीं है, ना ही धुएं से भरे डिब्बों और सख्त बर्थों को। लेकिन उस दौर की बातचीतों को हमें जरूर फिर से लौटा लाना होगा। वे अनजान लोग, जो मुस्कराकर मिलते थे। वे बच्चे, जो घूमते-घूमते किसी दूसरे बर्थ पर जा पहुंचते थे। और वे अंकल, जिन्होंने हमारा नाम तक जाने बिना हमें यह सिखा दिया था कि चलती ट्रेन की खिड़की से चीजें बाहर फेंकना बुरी आदत है।

फंडा यह है कि तकनीक ने हमारी यात्राओं को तेज कर दिया है। लेकिन अब शायद हमें फिर से इन्हें मानवीय बनाने की जरूरत है। हर जगह 'अकेले' यात्रा करना बंद कर देना चाहिए।

गंभीर सामाजिक समस्या पर कोर्ट का संवेदनशील हस्तक्षेप

चिल्ड्रेन होम और बाल देख-रेख संस्थानों से 18 साल की उम्र पूरी कर बाहर निकलने वाले युवाओं, जिन्हें 'केयर लीवर्स' कहा जाता है, के लिए शिक्षा व नौकरियों में एक फीसदी आरक्षण और अन्य सहूलियतों के लिए स्थायी नीति बनाने का निर्देश देना राजस्थान हाईकोर्ट का ऐतिहासिक कदम है। जब तक स्थायी नीति नहीं बनती तब तक आयु सीमा में छूट, परीक्षा शुल्क से पूर्ण राहत, छात्रवृत्ति और ब्याज-मुक्त ऋण जैसी अंतरिम राहतें देने के आदेश दिए गए हैं। यह फैसला गंभीर सामाजिक समस्या पर अदालत का संवेदनापूर्ण हस्तक्षेप कहा जाएगा। चिल्ड्रेन होम और बाल संरक्षण संस्थानों में ऐसे असहाय बच्चे पलते हैं, जिनका दुनिया में 'अपना' कोई नहीं होता। जिजीविषा उन्हें अपराध की दुनिया में धकेलने के लिए विवश करती रहती है।

अदालत ने बेहद संजीदगी से इस कड़वी सच्चाई को रेखांकित किया और कहा कि है कि सरकार माता-पिता की तरह इन युवाओं की अंगुली तब तक थामे रखे, जब तक वे अपने पैरों पर पूरी तरह खड़े न हो जाएं। हाईकोर्ट ने 'केयर लीवर्स' के जीवन की हर व्यावहारिक कठिनाई का समाधान खोजने का प्रयास किया है। संस्था छोडने से पहले 17.5 साल की उम्र से ही आधार कार्ड, बैंक खाता और पहचान पत्र बनाने के निर्देश देना व्यवस्था की बुनियादी खामी को दूर करता है। अक्सर देखा गया है कि कागजात न होने के कारण ये युवा किसी भी सरकारी योजना का लाभ पाने से वंचित रह जाते थे। इसके अलावा, राज्य व जिला स्तर पर 'केयर लीवर्स सचिवालय' और 'आफ्टरकेयर आइडी कार्ड' की व्यवस्था से

इनका एक प्रामाणिक डिजिटल डेटाबेस तैयार हो सकेगा, जिससे नीतिगत लाभ सीधे इन तक पहुंचेंगे। उच्च शिक्षा के लिए मासिक छात्रवृत्ति, मुफ्त हॉस्टल सुविधा और पांच लाख रुपए तक का ब्याज-मुक्त ऋण देना इन युवाओं को न केवल आर्थिक संबल प्रदान करेगा, बल्कि उनमें यह आत्मविश्वास भी जगाएगा। हाईकोर्ट ने जिस प्रकार मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 'राज्य बाल न्याय परिषद' का गठन करने, प्रत्येक जिले में 'केयर लीवर्स सचिवालय' बनाने और आठ सप्ताह में अनुपालना रिपोर्ट पेश करने के कड़े निर्देश दिए हैं, जो इस बात का संकेत है कि अदालत केवल फैसला सुनाकर शांत बैठने वाली नहीं है।

अब गेंद केंद्र और राज्य सरकार के पाले में है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह इस अवसर का उपयोग देश के समक्ष एक आदर्श 'आफ्टरकेयर मॉडल' प्रस्तुत करने के लिए करे। हम उम्मीद कर सकते हैं कि व्यापक नीति बनाते समय सरकार चिल्ड्रेन होम या बाल संरक्षण संस्थानों को यह जिम्मेदारी भी देगी कि वे भोजन और छत के साथ-साथ ऐसी शिक्षा भी दें कि बालिग होने के बाद वे अपनी योग्यता के साथ उच्च शिक्षा या नौकरियों में अपना दावा मजबूती से रख सकें। सिर्फ आरक्षण देने से बात नहीं बनेगी। माता-पिता से वंचित ऐसे बच्चों को योग्य नागरिक बनाना भी सरकार का ही दायित्व होना चाहिए।

विस्तार के बाद अब सामूहिक सामर्थ्य साबित करने की परीक्षा

किसी समूह की शक्ति उसकी विशालता में नहीं, बल्कि उस विशालता को साझा उद्देश्य और सामूहिक कार्रवाई में रूपांतरित करने की क्षमता में निहित होती है। दो दशकों में ब्रिक्स ने अपनी सदस्यता, आर्थिक क्षमता और वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में अपनी प्रासंगिकता का उल्लेखनीय विस्तार किया है। किंतु संख्या प्रतिनिधित्व बढ़ा सकती है, परिणाम नहीं। घोषणाएं आकांक्षा व्यक्त कर सकती हैं, संस्थागत क्षमता का निर्माण नहीं। आज उसकी चुनौती यही है कि बढ़ती विविधता को प्रभावी सामूहिक सामर्थ्य में कैसे बदला जाए। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इसी संक्रमण-बिंदु पर भारत की अध्यक्षता की परीक्षा होगा।

अक्टूबर 2024 के कजान शिखर सम्मेलन में स्थापित साझेदार-देश व्यवस्था ने व्यापक सहभागिता और पूर्ण सदस्यता के बीच एक उपयोगी सेतु निर्मित किया। 2025 में दस देशों को साझेदार का दर्जा मिला, किंतु विस्तार की आकांक्षा यहीं थमती नहीं दिखती। क्यूबा, थाईलैंड, मलेशिया और नाइजीरिया पूर्ण सदस्यता की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं, जबकि तुर्किये और अजरबैजान ने भी ब्रिक्स से जुडने में रुचि दिखाई है। रूस और चीन अपेक्षाकृत तीव्र विस्तार के पक्षधर रहे हैं, जबकि भारत और ब्राजील ने अधिक सावधानी का समर्थन किया है। इस मतभेद को विस्तार बनाम संकुचन के द्वंद्व में सीमित करना उचित नहीं होगा। नए सदस्यों का प्रवेश संगठन की संस्थागत तत्परता, निर्णय-क्षमता और साझा दायित्वों के निर्वहन की क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

विस्तार उसकी पहुंच बढ़ाए, उसकी अंत:संगति को क्षीण न करे। इसके लिए ब्रिक्स को समानता नहीं, बल्कि लचीली सहयोग-व्यवस्था की आवश्यकता है। शिखर सम्मेलन, मंत्रिस्तरीय संवाद, शेरपा प्रक्रिया, विषयगत कार्यसमूह, व्यापारिक एवं शैक्षणिक नेटवर्क, न्यू डेवलपमेंट बैंक और आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था पहले से उसकी संस्थागत आधारभूमि हैं। इन्हें ऐसी बहुस्तरीय संरचना में विकसित किया जा सकता है, जहां सभी सदस्य प्रत्येक विषय पर समान गति से आगे बढने के लिए बाध्य न हों, किंतु जहां हित और क्षमताएं अभिसरित हों। प्रभावी बहुपक्षवाद का अर्थ प्रत्येक प्रश्न पर एकरूपता नहीं, बल्कि मतभेदों के बीच साझा हितों पर कार्रवाई की क्षमता है। यही संतुलन ब्रिक्स की वैश्विक भूमिका को भी परिभाषित करना चाहिए। उसे स्वयं को किसी पश्चिम-विरोधी शक्ति-ध्रुव में परिवर्तित किए बिना वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को सशक्त स्वर देना चाहिए। भारत का विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ सहयोग करते हुए अपनी निर्णय-स्वतंत्रता को अक्षुण्य रखने का व्यापक रणनीतिक दर्शन यहां उपयोगी हो सकता है। विश्व व्यापार संगठन के पुनरोद्धार, वैश्विक आर्थिक शासन में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की अधिक प्रभावी भागीदारी और विकास-वित्त के विस्तार के माध्यम से ब्रिक्स मौजूदा व्यवस्था को विस्थापित करने के बजाय उसे और संतुलित बनाने की शक्ति बन सकता है। वैश्विक दक्षिण को सिर्फ अधिक मुखर प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि बिखरी क्षमताओं के बीच सशक्त सेतु चाहिए। भारत-चीन प्रतिस्पर्धा, रूस और पश्चिम के बीच तनाव तथा सदस्य देशों की भिन्न प्राथमिकताएं ब्रिक्स की जटिलता को रेखांकित करती हैं। पर द्विपक्षीय प्रतिद्वंद्विताएं

बहुपक्षीय गतिरोध का रूप न लें, यही उसकी राजनीतिक परिपक्वता की कसौटी होगी।

किसी संस्था की वास्तविक शक्ति उसके घोषणापत्रों की शब्दावली में नहीं, बल्कि उन संकल्पों की सतत परिणति में परिलक्षित होती है। प्रत्येक प्रमुख निर्णय समयबद्ध क्रियान्वयन, स्पष्ट उत्तरदायित्व और नियमित समीक्षा से आबद्ध हो तथा शिखर सम्मेलनों के मध्य संस्थागत तंत्र उसे निरंतर गति देता रहे। ब्रिक्स ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह व्यापक हो सकता है। भारत की अध्यक्षता की ऐतिहासिक कसौटी अब यह होगी कि क्या यह व्यापकता उसे अधिक सक्षम और प्रभावी भी बना सकती है। विस्तार ने उसे परिवर्तित होती विश्व-व्यवस्था का प्रतिबिंब बनाया है, किंतु सामूहिक सामर्थ्य ही उसे उस व्यवस्था की दिशा को प्रभावित करने वाली सशक्त शक्ति में रूपांतरित कर सकती है।

विपक्ष को कभी बुलाया नहीं गया तो क्यों बुलाया जाना चाहिए

कांग्रेस देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है,कई दशकों तक उसने देश पर शासन किया है,उसके पास सभी तरह का अनुभव है।उसके नेता जब किसी विषय पर कनफ्यूज रहते हैं तो देश के लोगों को बड़ी हैरानी होती है कि कांग्रेस के नेताओं को क्या हो गया है।उनको किसी विषय पर कुछ कहना होता है तो वह आपस में पहले विचार विमर्श क्यों नहीं करते हैं कि एक पार्टी के तौर पर हमको क्या कहना है।कहा जाता है कि कुछ कहने के पहले अच्छे से सोचविचार कर लेना चाहिए ताकि जो कहा जाए वह गलत न हो,वह हास्यास्पद न हो। गलत कहने के बाद सफाई न देनी पड़े।कांग्रेस नेताओं के बयानों से तो लगता है कि वह सोचविचार कर नही कर रहे हैं, पार्टी के भीतर यह कोई तय करने वाला नहीं है कि किसी अहम मामले में पार्टी का मत क्या है।यही वजह है कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता कुछ कहते हैं और दूसरा वरिष्ठ नेता कुछ और कहता है।ब्रिक्स को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.चिदंबरम कुछ कहते है तो दूसरे वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद कुछ और कहते हैं।इससे देश के लोगों को पता नहीं चलता है ब्रिक्स को लेकर कांग्रेस का मत क्या है।

देश में ब्रिक्स के आयोजन को लेकर चिदंबरम ने कहा है कि इस तरह के सम्मलेन व समूह की कोई उपयोगिता नहीं है,इससे भारत को कोई ठोस फायदा नहीं मिला है।चिदंबरम का मानना है कि उन्हें नही लगता है कि पिछले दो तीन ब्रिक्स सम्मेलनों का भारत को कोई ठोस फायदा हुआ है।उनका यह भी कहना है कि भारत ब्रिक्स के अलावा एससीओ,जी-20,क्वाड का भी हिस्सा है।इन समूहों से भारत को क्या लाभ मिल रहा है।यह उनको नजर नहीं आता है।वहीं कांग्रेस के एक और वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद कहते हैं कि ब्रिक्स पर सरकार का एकाधिकार नहीं है। दिल्ली समिट में विपक्ष को शामिल करना चाहिए।सलमान खुर्शीद ने दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स समिट में भारत का प्रतिनिधित्व पूरे देश का होने की वकालत की है, जिसमें केंद्र सरकार के साथ विपक्ष की भी भागीदारी हो। उन्होंने ब्रिक्स को दुनिया की आधी आबादी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह ग्लोबल नॉर्थ और ग्लोबल साउथ के बीच एक महत्वपूर्ण पुल है, जिसकी अध्यक्षता में भारत की ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है। खुर्शीद ने 12-13 सितंबर को होने वाली दिल्ली समिट में विपक्ष को शामिल कर इसे एक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व का स्वरूप देने की अपील की।सीनियर कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने गुरुवार को कहा कि 18वें ब्रिक्स समिट में भारत का प्रतिनिधित्व सिर्फ़ केंद्र सरकार का नहीं, बल्कि पूरे देश का होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले इस समिट के लिए बातचीत में विपक्ष को भी शामिल किया जाए।

ब्रिक्स को लेकर दोनों नेताओं के बयानों से तो ऐसा लगता है कि कांग्रेस को लगा कि चिदंबरम ने जो बयान दिया है, वह ठीक नहीं है,इससे कांग्रेस को नुकसान हो सकता है कि कांग्रेस कैसे ब्रिक्स जैसे आयोजन का विरोध कर रही है। जबकि कांग्रेस के समय भी एक बार देश में ब्रिक्स का आयोजन हो चुका है। ऐसे में तो सवाल उठ सकता है कि कांग्रेस आज कह रही है कि ब्रिक्स से तो भारत को कोई फायदा नहीं हुआ है जब कांग्रेस का मालूम है कि भारत से ब्रिक्स से कोई फायदा नहीं होना है तो उसने आयोजन क्यों किया था।यही वजह है कि अब हो चुके नुकसान की भरपाई के लिए कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद सामने आए हैं और वह इस देश के लिए अहम आयोजन बता रहे हैं। इतना अहम आयोजन बता रहे हैं कि उन्होंने कांग्रेस की तरफ से मांग कर दी है कि दिल्ली समिट में सिर्फ सरकार की भागीदारी नहीं होनी चाहिए, उसमें विपक्ष को भी शामिल किया जाना चाहिए।

सलमान खुर्शीद की मांग को सरकार मान भी सकती थी लेकिन यह तो तब ही हो सकता था जब कांग्रेस ने उसके समय में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में उस वक्त विपक्ष में रहे भाजपा को बुलाया होता। आने का निमंत्रण दिया होता। कांग्रेस ने बिक्स समिट में विपक्ष को शामिल करने की परंपरा अपने समय में शुरू की होती तो आज उसे ब्रिक्स समिट में बुलाने की मांग नहीं करनी पडती है,वह तो अधिकारपूर्वक शामिल होती।कांग्रेस ने अपने समय में हुए ब्रिक्स समिट में विपक्ष को बुलाना जरूरी नहीं समझा इसलिए आज वह मांग भी करेगी तो उसे सम्मेलन मे बुलाना सरकार के लिए संभव नहीं हो सकता क्योंकि परंपरा ही नहीं है।वैसे भी ब्रिक्स के सम्मेलनों में हर देश के विपक्ष के नेताओं को बुलाया नहीं जाता है क्योंकि ब्रिक्स एक अंतर सरकारी संगठन है। इसमें केवल सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष,मंत्री या अधिकारिक रूप से आमंत्रित किए गए अन्य देश,संगठन प्रमुख ही शामिल होते हैं।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

कर्मचारी चयन मंडल; परीक्षाओं में प्रमाणीकरण में सख्ती की तैयारी:डमी अभ्यर्थियों को रोकने नई व्यवस्था...भर्तियों में आवेदन से जॉइनिंग तक आधार से होगी पहचान

रायपुर। प्रदेश की सरकारी भर्ती परीक्षाओं में फर्जी और डमी अभ्यर्थियों को रोकने के लिए आधार प्रमाणीकरण लागू करने की तैयारी है। कर्मचारी चयन मंडल आवेदन से लेकर परीक्षा और जॉइनिंग तक अलग-अलग चरणों में अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापित कर सकेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आवेदन करने, परीक्षा देने और नौकरी ज्वाइन करने वाला व्यक्ति एक ही है।

छत्तीसगढ़ में कर्मचारी चयन मंडल का गठन कुछ महीने पहले हुआ है। यह तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की भर्ती परीक्षाओं के साथ प्रवेश और पात्रता परीक्षाएं भी आयोजित करेगा। पहले ये परीक्षाएं व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) कराता था। अभी परीक्षा केंद्रों पर आधार कार्ड या अन्य वैध फोटोयुक्त पहचान पत्र देखकर प्रवेश दिया जाता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पहचान की जांच डिजिटल माध्यम से भी होगी। इससे दूसरे अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने वाले डमी कैंडिडेट की तत्काल पहचान हो सकेगी। चयन के बाद जॉइनिंग के समय भी सत्यापन किया जाएगा, ताकि परीक्षा देने और नौकरी ज्वाइन करने वाले व्यक्ति की पहचान में अंतर न रहे।

परीक्षा केंद्र और जॉइनिंग के समय फिंगरप्रिंट, आईरिस यानी आंखों की पुतली के स्कैन या ई-केवाईसी से पहचान सत्यापित की जा सकेगी। फिलहाल यह प्रक्रिया स्वैच्छिक होगी और अभ्यर्थी की लिखित सहमति से ही आधार प्रमाणीकरण किया जाएगा। तकनीकी समस्या या किसी अन्य वैध कारण से आधार प्रमाणीकरण नहीं होने पर अभ्यर्थी को प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जाएगा। उसकी पहचान ई-केवाईसी या दूसरे वैध दस्तावेजों के माध्यम से सत्यापित की जाएगी।

नई व्यवस्था केवल अभ्यर्थियों तक सीमित नहीं रहेगी। परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों का भी आधार प्रमाणीकरण किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक स्तर पर संबंधित व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करना और गड़बड़ी की गुंजाइश कम करना है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

18 साल से कम उम्र के छात्रों के दोपहिया चलाने पर सख्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 18 वर्ष से कम उम्र के स्कूली विद्यार्थियों के दोपहिया वाहन चलाने को लेकर परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। रायपुर के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने सभी स्कूल और महाविद्यालय संचालकों व प्राचार्यों को पत्र जारी कर नाबालिग विद्यार्थियों को दोपहिया वाहन चलाने से रोकने के लिए उनके अभिभावकों को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रदेश के सभी विद्यालयों में विशेष जांच अभियान चलाने की बात कही गई है। परिवहन विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ के कई शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में 18 वर्ष से कम उम्र के स्कूली विद्यार्थी दोपहिया वाहन चलाकर स्कूल पहुंचते हैं। नाबालिग विद्यार्थियों के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं होता। विभाग ने इसे मोटरयान अधिनियम के उल्लंघन के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा बताया है।

नेशनल लोक अदालत में हिंदू-मुस्लिम झगड़े में हुआ समझौता:

पिता-पुत्र का संपत्ति विवाद भी खत्म, कोर्ट में पेंडिंग 14.97 लाख से ज्यादा मामलों का निराकरण

रायपुर। साल 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार को रायपुर में आयोजित हुई। इसमें कोर्ट में चल रहे मामलों के साथ ऐसे विवाद भी सुलझाए गए, जिन्हें दोनों पक्षों की आपसी सहमति से खत्म किया जा सकता था। लोक अदालत में कुल 14 लाख 97 हजार 744 मामलों का निराकरण हुआ। वहीं, पक्षकारों को कुल 1 अरब 3 करोड़ 13 लाख 61 हजार 484 रुपए का लाभ मिला।

पिता-पुत्र का संपत्ति विवाद खत्म

लोक अदालत में रिश्तों से जुड़े विवाद भी सुलझाए गए। 2021 से पिता और बेटे के बीच चल रहा पैतृक संपत्ति का विवाद समझाइश के बाद खत्म हो गया। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद खत्म करने पर राजी हो गए।

दो पक्षों के विवाद में भी हुआ समझौता

वहीं हिंदू-मुस्लिम के विवाद में भी दोनों पक्षों को समझाइश दी गई कि धर्म से ऊपर मानवता है। इसके बाद दोनों पक्षों ने आपसी राजीनामा कर लिया और खुशी-खुशी घर लौट गए।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रज्ञा सिंह की अदालत में दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष इसलिए समझौता नहीं कर रहे थे, क्योंकि विवाद धार्मिक था। कोर्ट ने दोनों को समझाया कि सभी धर्म समान हैं और मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। समझाइश के बाद दोनों पक्ष आपसी राजीनामे के लिए तैयार हो गए। उन्होंने समझौता किया और खुशी-खुशी अपने घर लौट गए।

रायपुर में आयोजित इस साल की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में कोर्ट में लंबित करीब 27 हजार 296 मामलों का निराकरण किया गया। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन और नगर निगम से जुड़े मामलों का भी निपटारा किया गया। जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े 238 मामलों और मोहल्ला लोक अदालत में 65 मामलों का निराकरण हुआ। कमर्शियल कोर्ट का भी एक मामला सुलझाया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के जरिए पक्षकारों को कुल 103 करोड़ 13 लाख 61 हजार 484 रुपए की राशि का लाभ मिला।

तृतीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय आनंद कुमार ध्रुव की समझाइश के बाद पति-पत्नी ने अपना विवाद खत्म कर लिया। पत्नी ने पति के खिलाफ तलाक की याचिका दायर की थी। कोर्ट ने दोनों को समझाया। इसके बाद दोनों साथ रहने के लिए राजी हो गए और आपसी समझौते के आधार पर मामला खत्म हो गया। दोनों साथ अपने घर चले गए।

सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अमिता कोशिमा रावटे की अदालत में पिता-पुत्र के बीच पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। यह विवाद 2021 से जारी था। पिता अपनी पैतृक संपत्ति बेच रहे थे। इसके बाद बेटे ने अपने हिस्से की जमीन को लेकर कोर्ट में मामला लगाया था। लोक अदालत में दोनों पक्षों को समझाया गया कि आपसी सहमति से विवाद खत्म करना बेहतर है। इसके बाद पिता और बेटे ने समझौता कर लिया। मामला खत्म होने के साथ ही दोनों के बीच फिर से मधुर संबंध बन गए। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के नए संकल्प के तहत मोहल्ला लोक अदालत भी लगाई गई। नगर निगम व्हाइट हाउस में स्थायी लोक अदालत के सभापति एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शांतनु कुमार देशलहरे ने मामलों की सुनवाई की। जोन उपायुक्त रश्मि और जोन कमिश्नर दिव्या चंद्राकर की मौजूदगी में जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े 65 मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

इस बार लोक अदालत हाइब्रिड तरीके से आयोजित की गई। यानी पक्षकारों ने कोर्ट में पहुंचकर समझौता करने के साथ ही ऑनलाइन और वीडियो के जरिए भी राजीनामा किया। इसमें पारिवारिक, आपराधिक, सिविल, राजस्व, पेंशन, जनोपयोगी सेवाओं और ट्रैफिक चालान से जुड़े मामले शामिल रहे।

पीएम आवास योजना में बड़ा बदलाव, अब 2024 तक शहर में रहने वालों को मिलेगा पक्के घर का लाभ

रायपुर। शहरी गरीबों के आशियाने के सपने को पूरा करने छत्तीसगढ़ सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नगरीय निकायों में रहने वाले परिवारों के हित में संवेदनशील फैसला लेते हुए राज्य शासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के लिए निवास की वैधता की कट-ऑफ तिथि को 31 अगस्त 2015 से बढ़ाकर अब 31 अगस्त 2024 कर दिया है। सरकार के इस निर्णय से विगत 9 वर्षों से शहरों में रह रहे लोगों को भी योजना का लाभ मिल सकेगा। छत्तीसगढ़ सरकार का यह निर्णय हजारों शहरी परिवारों के लिए पक्के घर का नया अवसर लेकर आया है। 'आवास से

सम्मान, सम्मान से सशक्तीकरण' के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य शासन का यह महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में शासन ने शहरी गरीबों एवं जरूरतमंद परिवारों के आवास के सपने को साकार करने के लिए संवेदनशील और दूरदर्शी निर्णय लिया है।

आमापारा, मोवा ओवरब्रिज, शंकर नगर और पुरानी बस्ती समेत कई इलाके प्रभावित, हर सड़क जाम; डेढ़ किमी में लगे 45 मिनट

रायपुर। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही शहर की ट्रैफिक व्यवस्था हांफने लगी है। शनिवार को आधा दर्जन से ज्यादा प्रमुख सड़कों पर करीब आधा किलोमीटर तक जाम लगा। मोवा ओवरब्रिज, आमापारा, शंकर नगर, एक्सप्रेस-वे फुंडहर चौक और पुरानी बस्ती सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। हालात ऐसे रहे कि महज डेढ़ किलोमीटर का सफर तय करने में लोगों को 45 मिनट तक लग गए। कई रास्तों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कारों के बीच बाइक सवार जगह तलाशकर निकलते रहे।

पुलिसकर्मी ट्रैफिक संभालते रहे, लेकिन वाहनों का दबाव ज्यादा होने से राहत नहीं मिली। त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ और वाहनों की संख्या बढ़ने से आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बारिश के दौरान बाइक से निकलने वाले कई लोग कार का इस्तेमाल करते हैं। इससे अचानक सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है।

जाम की बड़ी वजह सड़क किनारे अस्थायी बाजार, पंडाल और बेतरतीब पार्किंग भी रही। ठेले, गुमटियां और दुकानें सड़क तक पहुंच गई हैं। कई जगह वाहन सड़क पर ही खड़े किए जा रहे हैं। वहीं, ढोल-बाजे और डीजे के साथ प्रतिमाएं पंडाल तक ले जाने में भी सड़क का इस्तेमाल हो रहा है। इससे उपलब्ध रास्ता कम हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस अलग-अलग रूट पर कार्रवाई कर रही है, लेकिन पुलिस के हटते ही दोबारा वाहन सड़क पर खड़े हो रहे हैं। त्योहारी सीजन में बाजार, आयोजन और पार्किंग का दबाव एक साथ बढ़ने से ट्रैफिक संभालना बड़ी चुनौती बन गया है।

डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा ने बताया कि त्योहारी एक्शन प्लान पर काम शुरू हो गया है। सड़क से ठेले, गुमटी और दुकानें हटाने के लिए दस्ता बनाया गया है। अस्थाई बाजारों को खाली मैदान और प्लॉट में शिफ्ट करने के लिए नगर निगम के साथ काम किया जा रहा है। बेतरतीब पार्किंग पर कार्रवाई बढ़ेगी। दोबारा अतिक्रमण और पार्किंग न हो, इसकी निगरानी भी की जाएगी।

प्रफुल्ल जोशी के अनुसार प्रमुख रूटों पर सार्वजनिक परिवहन बढ़ाने की जरूरत है। लोगों को निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक और साझा वाहनों का ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। सड़क पर कारोबार, पार्किंग और आयोजन पर सख्ती जरूरी है। ट्रैफिक से जुड़े फैसलों पर शहर के हित में सख्ती से अमल होना चाहिए।

नवा रायपुर के सरकारी स्कूल में लगेगी संगीत कॉलेज की कक्षाएं, 19 सितंबर तक आवेदन का मौका

रायपुर। नवा रायपुर में शुरू होने जा रहे नवीन संगीत महाविद्यालय के लिए आखिरकार अस्थायी परिसर तय कर लिया गया है। पत्रिका में महाविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद कक्षाओं के लिए जगह तय नहीं होने की खबर प्रकाशित होने के बाद अब इसका समाधान हो गया है। महाविद्यालय की प्रारंभिक कक्षाएं नया रायपुर के सेक्टर 25 स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संचालित की जाएंगी। स्थायी भवन तैयार होने तक यहीं से महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने की तैयारी है। महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया गया है। आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 19 सितंबर कर दी गई है। तारीख बढने के बाद विद्यार्थियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। शुरुआत में महाविद्यालय में केवल दो विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था, जबकि अब यह संख्या बढकर छह हो गई है।

तीन विधाओं में शुरू होगी पढ़ाई

नवीन संगीत महाविद्यालय में चार वर्षीय बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (बीपीए) पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। पहले सत्र में शास्त्रीय गायन (हिंदुस्तानी), कथक नृत्य और लोक संगीत में प्रवेश दिया जा रहा है। महाविद्यालय खैरागढ़ स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

तेलघानी नाका: नए ब्रिज व रामनगर अंडरब्रिज पर बढ़ेगा दबाव: पुराना ब्रिज 30 से बंद, तोड़कर नया बनाएंगे; 35 हजार वाहनों का बदलेगा रास्ता

रायपुर। तेलघानी नाका के करीब चार दशक पुराने जर्जर ओवरब्रिज को तोड़कर नया बनाया जाएगा, इसलिए 30 सितंबर से इस पर आवाजाही बंद हो जाएगी। इससे रोज गुजरने वाले करीब 35 हजार वाहनों का रास्ता बदलेगा। कार-बाइक नए ओवरब्रिज और रामनगर अंडरब्रिज से गुजरेंगी। इसका असर स्टेशन, रामनगर, गुढ़ियारी, कबीर नगर, अशोक नगर, कोटा और शिवानंद नगर आने-जाने वालों पर पड़ेगा।

पीक आवर में वैकल्पिक रास्तों और आसपास की लिंक सड़कों पर दबाव बढ़ने से जाम की स्थिति बन सकती है। खासकर स्टेशन जाने वालों को ट्रेन पकड़ने के लिए पहले निकलना पड़ेगा। पुराने ब्रिज पर भारी वाहनों की आवाजाही पहले से बंद है। पीडब्ल्यूडी ने 30 सितंबर से इसे पूरी तरह बंद करने के लिए यातायात विभाग से मंजूरी ले ली है। नए ओवरब्रिज के लिए शासन से बजट मंजूर हो चुका है।

ब्रिज का हिस्सा रेलवे और पीडब्ल्यूडी के क्षेत्र में होने के कारण दोनों विभाग संयुक्त सर्वे कर चुके हैं। अब रेलवे अपने हिस्से की ड्राइंग पीडब्ल्यूडी को

देगा। दोनों ड्राइंग कंपाइल कर शासन को भेजी जाएंगी। स्वीकृति के बाद निर्माण शुरू होगा। पीडब्ल्यूडी चार साल से इसकी तैयारी कर रहा था, लेकिन बजट नहीं मिलने से काम अटका था।

रेलवे ने इस ओवरब्रिज को करीब चार साल पहले ही जर्जर घोषित कर उपयोग के लिए सुरक्षित नहीं बताया था। इसके बाद अपने हिस्से के पिलरों की मरम्मत की और अतिरिक्त भार व दबाव कम करने के लिए लोहे के सपोर्ट लगाए। भारी वाहनों पर भी रोक लगा दी गई। इसके बावजूद कार और बाइक की आवाजाही जारी थी।

पुराना ओवरब्रिज बंद होने के बाद कार-बाइक का ट्रैफिक नए ओवरब्रिज और रामनगर अंडरब्रिज की ओर डायवर्ट होगा। आसपास की लिंक सड़कों पर भी वाहनों का दबाव बढ़ेगा। खासकर स्टेशन, रामसागरपारा से गुढ़ियारी, कबीर नगर, अशोक नगर, कोटा और शिवानंद नगर आने-जाने वालों पर असर पड़ेगा।

डिस्मेंटल करने बंद करेंगे ओवरब्रिज

रेलवे क्रॉसिंग स्थित पुराना तेलघानी नाका ओवरब्रिज जर्जर होने के कारण महीने के अंत में बंद किया जाएगा। यातायात विभाग से अनुमति मिल गई है। इसके बाद पुराने ब्रिज को डिस्मेंटल किया जाएगा। नया ओवरब्रिज बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजेंगे। मंजूरी मिलने के बाद निर्माण शुरू होगा। **-विग्नेश कुमार, ईई, ब्रिज, रायपुर**

दिव्यांगों के लिए शिक्षक बनने नए नियम तय, विशेष बीएड के साथ आरसीआई का जीवित पंजीयन भी जरूरी

रायपुर। दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए शिक्षक बनने की शैक्षणिक योग्यता को लेकर नए नियम तय किए गए हैं। अब विशेष शिक्षा से जुड़े शिक्षक पदों पर नियुक्ति के लिए केवल सामान्य बीएड की डिग्री पर्याप्त नहीं होगी। संबंधित दिव्यांगता के क्षेत्र में बीएड (विशेष शिक्षा) की योग्यता हासिल करना अनिवार्य किया गया है। साथ ही कई पदों के लिए रीहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया (आरसीआई) का जीवित पंजीयन भी जरूरी होगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने न्यूनतम शैक्षणिक योगयता तय कर दी है। नए प्रावधान के मुताबिक विशेष शिक्षक (दृष्टि बाधित) के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री के साथ मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से दृष्टि बाधित में बीएड आवश्यक है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज आपके पराक्रम और आय में वृद्धि के अच्छे योग बन रहे हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। नए प्रोजेक्ट, योजनाएं और कार्य आपके लिए सफलता के द्वार खोल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और निर्णय क्षमता की सराहना होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को नए संपर्कों और अवसरों से लाभ मिल सकता है।

वृषभ। आज करियर और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी, पद में बदलाव या उन्नति से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। व्यवसाय में भी नए अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। निवेश या बड़े लेन-देन से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच करें।

मिथुन। आज कार्यक्षेत्र में आपकी बौद्धिक क्षमता और संवाद कौशल विशेष रूप से प्रभावी रहेंगे। जटिल कार्यों को समझने और सही समाधान निकालने की आपकी योग्यता आपको दूसरों से आगे रख सकती है। व्यापार से जुड़े लोग कोई बड़ा और लाभदायक निर्णय ले सकते हैं। नई योजना, साझेदारी या विस्तार पर विचार करने के लिए समय अनुकूल है।

कर्क। आज नौकरी और करियर के क्षेत्र में अच्छी खबर मिलने की संभावना है। पदोन्नति, नई जिम्मेदारी या कार्यक्षेत्र में बदलाव आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और आय के नए स्रोतों पर भी विचार किया जा सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा।

सिंह। आज लंबे समय से अटके हुए कार्यों में गति आने की संभावना है। आपकी मेहनत और धैर्य का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी और किसी सदस्य से अच्छी खबर मिल सकती है। समाज और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ने के योग हैं। आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे। व्यवसाय में पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है। नए कार्यों की शुरुआत भी सोच-समझकर की जा सकती है।

कन्या। आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं और सहकर्मियों का सहयोग मिलने से कठिन काम भी आसानी से पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों की कार्यक्षमता की प्रशंसा हो सकती है। व्यवसाय में नई योजना पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

तुला। आज आय के नए स्रोत खुलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं धीरे-धीरे सफलता की ओर बढ़ेंगी। जीवनसाथी और परिवार के साथ बेहतरीन समय बिताने का अवसर मिलेगा। रिश्तों में मधुरता और आपसी समझ बढ़ेगी। किसी पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात मन को प्रसन्न कर सकती है।

वृश्चिक। आज दिन की शुरुआत काम और जिम्मेदारियों की अधिकता के साथ हो सकती है। कार्यक्षेत्र में एक साथ कई कामों को संभालना पड़ सकता है, लेकिन धैर्य और लगातार मेहनत से सफलता मिलेगी। जल्दबाजी करने के बजाय प्राथमिकताएं तय करके आगे बढ़ें। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, हालांकि किसी बात को लेकर मतभेद भी हो सकता है। व्यवसाय में धीरे-धीरे प्रगति के संकेत हैं।

धनु। आज भाग्य का अच्छा साथ मिलने से कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। कारोबार या नौकरी में उन्नति के योग हैं और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। नए अवसरों को पहचानकर सही समय पर निर्णय लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा। यात्रा के योग भी बन रहे हैं और यह यात्रा व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से लाभदायक साबित हो सकती है। वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर। आज आपके परिश्रम का सुखद परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता की सराहना हो सकती है। व्यवसाय में भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने पर लाभ मिलेगा। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखना जरूरी होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहें और खान-पान में लापरवाही न करें। परिवार के किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। पुराने कार्यों को पूरा करने का अच्छा अवसर मिलेगा।

कुंभ। आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन किसी भी निर्णय से पहले पूरी जानकारी जरूर प्राप्त करें। मित्रों और परिचितों का सहयोग आपके लिए लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर सामने आ सकते हैं और आपकी योजनाओं को समर्थन मिल सकता है। व्यवसाय में विस्तार या नई साझेदारी पर विचार किया जा सकता है। सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

मीन। आज मन प्रसन्न और उत्साहित रहेगा। शिक्षा, कला, लेखन और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए विशेष सफलता के योग बन रहे हैं। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है और नई उपलब्धि प्राप्त होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और रचनात्मक सोच की सराहना होगी। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें तथा अनावश्यक खर्चों से बचें। किसी पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात खुशी दे सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और मानसिक रूप से सकारात्मक ऊर्जा महसूस होगी।

झारखंड में लगातार बारिश से कहीं खुशी कहीं मायूसी

धान को फायदा, सब्जियों की फसल को भारी नुकसान; टमाटर-बींस के फूल झड़ने लगे

कोडरमा। कोडरमा समेत पूरे प्रदेश में हुई तेज बारिश से धान की फसल लगाने वाले किसान खुश हैं। वहीं, लगातार हुई इस बारिश ने सब्जी किसानों को मायूस कर दिया है। बीते दिनों हुई लगातार बारिश के बाद कई ऐसी सब्जियां हैं जो ज्यादा पानी जमा होने के कारण खराब होने लगी हैं।

कोडरमा में खेती कर रहे किसान मनोज कुमार ने बताया कि लगातार बारिश से उनके खेतों में ज्यादा पानी जमा हो गया है। इसके कारण उनके खेतों में लगी सब्जियां, खासकर बेल वाली सब्जियां जो जमीन पर फैलती हैं, वे खराब हो रही हैं। बेलों के पत्ते जल रहे हैं और उनकी डंठल सड़ रही हैं।

इस जलजमाव से सबसे ज्यादा लौकी, नेनुआ और करेला जैसी सब्जियों को नुकसान हुआ है। इसके अलावा टमाटर, बैंगन, बींस, अदरक समेत अन्य सब्जियों की फसल को भी बारिश से काफी नुकसान पहुंचा है। टमाटर और बींस के फूल झड़ने लगे हैं, जबकि अदरक की फसल में ज्यादा नमी के कारण बीमारी लगने का खतरा बढ़ गया है। भिंडी, परवल और मिर्च जैसी सब्जियों पर भी इसका असर पड़ रहा है।

किसानों के अनुसार, उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण खेतों में काम करना भी मुश्किल हो गया है। आने वाले दिनों में मटर और बींस की खेती शुरू करने की तैयारी कर रहे किसान खेत तैयार नहीं कर पा रहे हैं। तैयार सब्जियों को बाजार तक पहुंचाने में भी परेशानी हो रही है।

हालांकि, बारिश से फिलहाल धान की फसल को काफी फायदा हो रहा है। खेतों में काफी नमी होने से धान की फसल की बढ़ोतरी अच्छी हो रही है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश इसी तरह लगातार जारी रही तो खेतों में पानी जमा होने के कारण धान की फसल को भी नुकसान हो सकता है। इससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है।

फंगस स्प्रे और पेस्टीसाइड से करें बचाव

इधर, कृषि वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार रॉय ने कहा कि बेशक इस बारिश के कारण सब्जियों को खासा नुकसान पहुंचा है। जबकि धान की खेती को खासा लाभ हो रहा है। वहीं उन्होंने सब्जी की खेती कर रहे किसानों से संयम बनाकर रखने सहित सब्जियों का कैसे बचाव किया जा सके इसके उपाय बताए हैं। उन्होंने कहा कि खेतों में हो रहे जलजमाव की निकासी की भी बेहतर व्यवस्था किसानों को करनी होगी, जिससे पौधों में होने वाली सड़न से बचा जा सके।

नई सब्जियों और फूलों की नर्सरी तैयार करने वालों को विशेष सलाह

डॉ. रॉय ने बताया कि जो लोग रबी की फसल के लिए नर्सरी तैयार कर रहे हैं, वे उसके पहले वहां पर पॉलिथीन का घेरा बनाकर टनल नुमा एक शेड तैयार कर लें। इससे पौधों को नुकसान होने से बचाने के साथ-साथ फसल से अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

8 में से 4 कियोस्क महीनों से खराब :24 लाख की डिजिटल मशीनें धरी रह गईं, मरीज फिर कतार में

रांची। सदर अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए करीब दो साल पहले लगाई गईं 8 कियोस्क में 4 महीनों से बंद हैं। प्रत्येक कियोस्क की कीमत करीब 2.50 लाख रुपए, यानि कुल लागत करीब 20 लाख रुपए है। चालू 4 कियोस्क में भी डॉक्टरों की उपलब्धता, साप्ताहिक रोस्टर और दवाओं की जानकारी अपडेट नहीं है।

मेंटेनेंस ओडिशा की एडसोफ्ट टेक्नोलॉजी के पास है और नियम के अनुसार शिकायत के एक महीने में खराब मशीन ठीक करनी है। वहीं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से करीब 4 लाख रुपए में लगीं 2 टोकन मशीनें भी महीनों से बंद हैं। इनसे करीब दो मिनट में टोकन मिलना था, लेकिन मरीजों को अब 30 मिनट से अधिक लाइन में लगना पड़ रहा है। अस्पताल में रोज करीब 2000 मरीज आते हैं। कियोस्क की अधूरी/गलत जानकारी के कारण मरीज डॉक्टर, विभाग और दवा काउंटर के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

दो साल पहले आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की ओर से अस्पताल में दो टोकन मशीनें लगाई गई थीं। एक ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर और दूसरी पैथोलॉजी विभाग के पास लगाई गई थी। इनका उद्देश्य मरीजों को टोकन देकर पर्ची कटाने की प्रक्रिया आसान करनी थी। मशीनें बंद होने से सुबह ओपीडी पर्ची और पैथोलॉजी जांच के लिए रजिस्ट्रेशन काउंटर पर लंबी कतार लगती है। सामान्य काउंटर से ही पर्ची कटानी पड़ती है। एक मरीज को इसमें 30 मिनट से अधिक समय लग जाता है, जबकि मशीन से करीब दो मिनट में टोकन मिल सकता था। पर्ची कटाने को लेकर कई बार मरीजों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है।

चर्च रोड निवासी आरव कुमार पैथोलॉजी में खून की जांच कराने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पर्ची के लिए लंबी लाइन लगी है। पहले से बीमार होने के कारण ज्यादा देर खड़े रहना मुश्किल है। पास में टोकन मशीन लगी है, लेकिन बंद है। मशीन चालू होती तो जल्दी टोकन मिल जाता तो डॉक्टर को दिखा भी लेते।

कांटाटोली निवासी रवींद्र कुमार ने बताया कि मरीज को डॉक्टर और संबंधित विभाग की जानकारी लेने कियोस्क पर आए थे, लेकिन मशीन बंद थी। सही जानकारी नहीं मिलने पर अस्पताल में भटकना पड़ता है और कई बार डॉक्टर व विभाग खोजने में ही समय निकल जाता है।

मरीजों को परेशानी न हो इसके लिए जल्द से जल्द अस्पताल में मौजूद सभी कियोस्क और टोकन मशीनों को ठीक कराया जाएगा। इसकी जानकारी संबंधित कंपनी को दी जाएगी। अस्पताल में पूछताछ केंद्र भी बनाया गया है। जहां से मरीज अस्पताल से संबंधित सभी जानकारी ले सकते हैं। **- डॉ. विमलेश सिंह, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल रांची**

रांची, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग में आज बारिश

रांची। झारखंड में अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आज आसमान में बादल छाए रहने तथा राज्य में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश या मेघ गर्जन के आसार हैं। कल भी बादल छाए रहने की स्थिति बनी रहेगी। वहीं, राज्य के कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश या मेघ गर्जन हो सकता है।

15 और 16 सितंबर को भी राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश के साथ मेघ गर्जन हो सकता है। 17 सितंबर को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे।

राज्य के कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश या मेघ गर्जन की संभावना है। 18 सितंबर को भी बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश या मेघ गर्जन होने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। इसके बाद अगले दो दिनों में तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ब्रिक्स में धमाके की धमकी का झारखंड कनेक्शन: देवघर से सॉफ्टवेयर डेवलपर गिरफ्तार, गांधीनगर थाने को ई-मेल से मिली थी धमकी

देवघर। दिल्ली के प्रगति मैदान में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान विस्फोट करने और गुजरात के गांधीनगर स्थित सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी के मामले की जांच के तार झारखंड के देवघर से जुड़ गए हैं। 10 सितंबर को गांधीनगर थाने को ई-मेल के माध्यम से धमकी दी गई थी।

ई-मेल मिलते ही गुजरात पुलिस के साथ विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए ई-मेल के तकनीकी स्रोत, आईपी एड्रेस और उससे जुड़े लोगों की जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर गुजरात पुलिस की साइबर टीम शुक्रवार को देवघर पहुंची और नगर थाना पुलिस के सहयोग से करनीबाग ठाढ़ी रोड, वार्ड नंबर-34, बावनबीघा स्थित एक ससुराल में छापेमारी कर गुलशन कुमार सिंह उर्फ गुलशन चौहान (पिता कौशल सिंह) को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद गुजरात पुलिस उसे अपने साथ ले गई।

रोशन से पूछताछ के बाद सामने आया गुलशन का नाम

एसपी प्रवीण पुष्कर ने गुलशन की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि धमकी भरे ई-मेल में गुलशन की ई-मेल आईडी का इस्तेमाल हुआ था। इसी आधार पर गुजरात पुलिस ने कार्रवाई की। जांच के दौरान गुजरात पुलिस ने पहले एक युवक रोशन को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी।

फॉर्म 6 भरने का अंतिम दिन 15 तक: एसआईआर...10 लाख नए मतदाता का लक्ष्य था, 4.54 लाख ने ही भरा फॉर्म-6

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत नए नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यह 15 सितंबर को समाप्त हो रही है। निर्वाचन आयोग को उम्मीद थी कि झारखंड में न्यूनतम 10 लाख नए वोटर बनेंगे, पर अब तक मात्र 4.54 लाख युवा ही टर्नअप हुए हैं। यह तब है, जब ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से फॉर्म-6 भरे जाने का प्रावधान किया गया है। उम्मीद से कम रुझान को देखते हुए राज्य निर्वाचन कार्यालय परेशान है। हालांकि इसके लिए प्रचार-प्रसार भी चल रहा है।

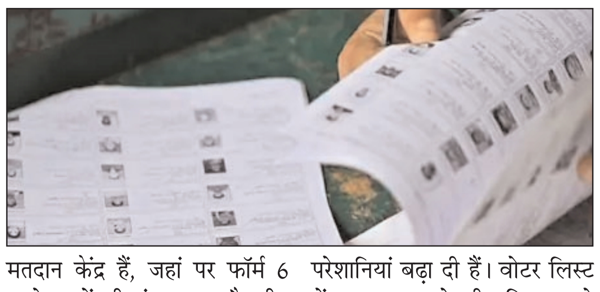

मिली जानकारी के अनुसार अब भी राज्य में करीब 400 ऐसे मतदान केंद्र हैं, जहां पर फॉर्म 6 भरने वालों की संख्या शून्य है। तीन हजार के आसपास ऐसे मतदान केंद्र हैं, जहां पर मात्र 1-5 नए वोटरों ने फॉर्म 6 भरा है। राज्य में अभी 2 करोड़ से अधिक वोटर हैं। सालाना दो से ढाई प्रतिशत तक नए वोटर होते हैं। इस हिसाब से राज्य निर्वाचन कार्यालय को उम्मीद थी कि पिछले दो वर्षों में कम से कम 10 लाख नए वोटर बढ़े होंगे, पर जेन जी की उदासीनता ने इनकी परेशानियां बढ़ा दी हैं। वोटर लिस्ट में नए नाम जुड़ने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। पर, इस बार हो रहे एसआईआर के दौरान जिन नए मतदाताओं का नाम जुड़ जाएगा, उनका नाम भविष्य में होनेवाले एसआईआर के दौरान भी दिखेगा। बाद में जुड़नेवाले नाम 2026 के एसआईआर में नहीं दिखेंगे। इस बार सभी मतदाता सूची और मतदाताओं के नाम डिजिटली सुरक्षित रखे जाएंगे।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			4		8			
	6			7			1	
7		2		9		5		4
	9		7		4		3	
		7		5		8		
	8		9		6		5	
9		4		1		7		8
	7			6			4	
			2		7			

पिछले अंक का उत्तर

9	6	3	2	5	8	7	1	4
2	8	5	1	4	7	9	6	3
4	7	1	9	3	6	5	2	8
7	2	6	8	1	9	4	3	5
3	4	9	7	2	5	6	8	1
1	5	8	4	6	3	2	7	9
5	9	2	3	7	1	8	4	6
6	3	4	5	8	2	1	9	7
8	1	7	6	9	4	3	5	2

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

ऐप इंस्टॉल करते ही खाते से 70 हजार रुपए गायब: पुलिस में शिकायत

कोडरमा। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक कपड़े के व्यापारी के साथ साइबर ठगी हुई है। ठगों ने उसके खाते से करीब 70 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित आकाश कुमार ने तिलैया थाने में शिकायत दर्ज कराई है और मदआकाश ने बताया कि शुक्रवार दोपहर उसके परिचित दुकानदार आनंद कुमार ने उसे वॉट्सऐप पर ऋझ्रह्र से जुड़ा एक ऐप भेजा। इसके साथ एक मैसेज भी था, जिसमें लिखा था कि 'एक बार चेक करो, कहीं तुम्हारा भी चालान तो नहीं कटा है।'

आकाश ने वह ऐप अपने मोबाइल में इंस्टॉल कर लिया। जब उसे यह ऐप संदिग्ध लगा, तो उसने उसे तुरंत अनइंस्टॉल कर दिया और अपने काम में लग गया।

शाम को जब आकाश किसी व्यापारी को भीम यूपीआई से पैसे भेजने लगा, तो उसका पेमेंट बार-बार फेल हो रहा था। उसने अपना अकाउंट बैलेंस चेक किया तो पता चला कि खाते में सिर्फ 10 रुपए बचे हैं। जबकि उसके खाते में 67 हजार 700 रुपए जमा थे।

94 साल में पहली बार ऐसी क्रिकेट सीरीज:दिल्ली में मैच फिर भी विदेशी होगी टीम इंडिया, पिच भी अफगान टीम तय करेगी

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज आज से शुरू हो रही है। तीनों मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। मुकाबले भले ही भारत में हो रहे हैं लेकिन इस सीरीज में होम टीम अफगानिस्तान की होगी और भारतीय टीम विजिटर्स होगी।

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज का मेजबान है। सुरक्षा कारणों से अफगानिस्तान अपने देश में मैच नहीं करा पाता है लिहाजा उसके होम मुकाबले भारत या,श्व में होते हैं।

टीम इंडिया के लिए यह नया अनुभव होगा। भारतीय क्रिकेट के 94 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब वह घर में मैच खेलेगी लेकिन होम टीम नहीं होगी। इस बदलाव का मैचों और सीरीज के अलग-अलग पहलू पर क्या असर होगा इसे 6 सवालों के जरिए जानते हैं...

पिच का मिजाज कौन तय करेगा 2. टॉस के वक्त सिक्का कौन उछालेगा 3. ड्रेसिंग रूम का बंटवारा कैसे होगा 4. खिलाड़ियों के ठहरने, खाने की जिम्मेदारी कौन संभालेगा 5. मैचों में होने वाले खर्च कौन उठाएगा 6. सीरीज से होने वाली कमाई किसे मिलेगी

पिच अरुण जेटली स्टेडियम के क्यूरेटर्स ही बना रहे हैं। होम टीम को पिच अपने एडवांटेज के हिसाब से बनवाने का अधिकार होता है। अफगानिस्तान होम टीम है लिहाजा उसका मैनेजमेंट पिच को लेकर अपनी डिमांड रख सकता है।

वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान की टीम भारत की किसी पिच पर अपना होम मैच खेलने वाली है। इससे पहले वह तीन अन्य स्टेडियम में भी अपने घरेलू इंटरनेशनल मैच खेल चुकी है। इन मैचों में अफगान टीम ने ज्यादातर स्पिन की मददगार पिचें बनवाई हैं। बीच-बीच में उसने बैटिंग फ्रेंडली पिचें भी तैयार कराई हैं।

होम टीम का कप्तान सिक्का उछालता है और विजिटिंग टीम का कप्तान हेड या टेल चुनता है। इसलिए मैच से पहले अफगानिस्तान का कप्तान सिक्का उछालेगा और भारतीय कप्तान हेड या टेल कॉल करेगा।

इस सीरीज में अफगानिस्तान की कप्तानी इब्राहिम जादरान करेंगे। भारत की कमान श्रेयस अय्यर के हाथ में है। अरुण जेटली स्टेडियम में होम और विजिटिंग टीम के लिए अलग ड्रेसिंग रूम हैं। इस सीरीज में होम ड्रेसिंग रूम अफगानिस्तान और विजिटर्स ड्रेसिंग रूम भारत को मिलेगा।

होम ड्रेसिंग रूम पूर्व भारतीय क्रिकेटर रमन लांबा के नाम पर है। विजिटर्स ड्रेसिंग रूम पूर्व भारतीय खिलाड़ी प्रकाश भंडारी के नाम पर है।

खिलाड़ियों के होटल में ठहरने। होटल में खाने। होटल से स्टेडियम आने-जाने जैसे खर्च अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड उठाएगा। हालांकि, खिलाड़ी होटल या स्टेडियम में क्या खाएंगे यह अफगान बोर्ड तय नहीं करेगा। भारतीय टीम अपने खिलाड़ियों का डाइट चार्ट होटल से शेयर करती है। होटल के चुनिंदा शेफ इसके हिसाब से खाना तैयार करते हैं। अफगानिस्तान की टीम भी यह सिस्टम फॉलो करेगी।

होटल और कैटरिंग के अलावा भी कई अन्य खर्च होम टीम के बोर्ड को करने होते हैं। इनमें स्टेडियम का किराया (अगर स्टेडियम अपना न हो तो), ग्राउंड स्टाफ की फीस, इलेक्ट्रिसिटी, सिक्योरिटी अरेंजमेंट्स, लॉजिस्टिक्स आदि शामिल हैं। होम बोर्ड होने के नाते ये सारे खर्च भी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ही कर रहा है। दिल्ली जिला क्रिकेट संघ ने इस सीरीज के स्टेडियम का कोई किराया अफगान बोर्ड से नहीं लिया है। ष्ठष्ठष्ट ने कहा है कि उसने अतिथि देवो भव: की भावना से अफगान क्रिकेट बोर्ड का सहयोग करने की कोशिश की है।

अफगानिस्तान के भारत में होम वेन्यू

साल	होम वेन्यू (स्टेडियम का नाम)	शहर
2015	शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	ग्रेटर नोएडा
2018	राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम	देहरादून
2019	अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम	लखनऊ
2026	अरुण जेटली स्टेडियम	दिल्ली

बिजनेस न्यूज

टाटा-संस को 3 साल में IPO लाना ही होगा:RBI ने शेयर मार्केट में लिस्ट न होने की अर्जी खारिज की, छोटे निवेशकों को मौका मिलेगा

मुंबई। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को अब अगले तीन साल के भीतर अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाकर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक ने टाटा संस की उस मांग को स्वीकार नहीं किया है, जिसमें कंपनी ने नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में अपना पंजीकरण समाप्त करने का अनुरोध किया था। **RBI** के इस फैसले के बाद टाटा संस के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्धता की राह लगभग तय मानी जा रही है।

टाटा संस ने वर्ष 2024 में करीब 21,813 करोड़ रुपये का पूरा कर्ज चुका दिया था। इसके बाद कंपनी ने तर्क दिया था कि उस पर अब कोई कर्ज नहीं है, इसलिए उसे **NBFC** की श्रेणी से बाहर कर दिया जाना चाहिए। हालांकि, **RBI** ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया और कंपनी को नियामकीय दायरे में बनाए रखने का फैसला किया।

इस फैसले का सबसे बड़ा असर टाटा संस की भविष्य की कारोबारी रणनीति पर पड़ सकता है। **NBFC** के रूप में लागू नियमों के तहत कंपनी को निर्धारित समयसीमा में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना होगा। ऐसे में टाटा संस को **IPO** की तैयारी तेज करनी पड़ सकती है।

आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स की बुकिंग शुरू, भारत में कीमत अमेरिका से करीब 41 हजार रुपए ज्यादा

मुंबई। एपल के नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स की बुकिंग भारत समेत दुनियाभर के बाजारों में शुरू हो गई है। भारत में आईफोन 18 प्रो की शुरुआती कीमत करीब 1.65 लाख रुपए, जबकि आईफोन 18 प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1.80 लाख रुपए रखी गई है। दोनों फोन को प्रीमियम फीचर्स और बेहतर कैमरा क्षमता के साथ पेश किया गया है।

कंपनी ने इस बार प्रो मॉडल में नया ए-20 **Pro** चिपसेट दिया है, जो फोन की प्रोसेसिंग क्षमता और परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा स्मार्टफोन में एडवांस्ड कूलिंग सिस्टम भी दिया गया है। इससे लंबे समय तक गेमिंग, वीडियो एडिटिंग और दूसरे भारी काम करने के दौरान फोन के तापमान को नियंत्रित रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आईफोन 18 प्रो सीरीज का कैमरा सिस्टम भी इस बार खास आकर्षण है। मेन कैमरे में पहली बार वेरिएबल अपर्चर टेक्नोलॉजी दी गई है। यह तकनीक ष्ठस्रुक्र कैमरों में देखने को मिलती है और रोशनी के हिसाब से कैमरे के अपर्चर को समायोजित करने में मदद करती है। इससे अलग-अलग परिस्थितियों में फोटो की क्वालिटी बेहतर होने की उम्मीद है।

हालांकि, भारतीय ग्राहकों के लिए इन दोनों मॉडल की कीमत अमेरिका की तुलना में काफी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स की कीमत में अमेरिका के मुकाबले करीब 41 हजार रुपए तक का अंतर है। इसकी वजह टैक्स, आयात शुल्क और अन्य स्थानीय लागतें हो सकती हैं।

ग्राहक आईफोन 18 प्रो सीरीज की बुकिंग एपल के आधिकारिक ऑनलाइन स्टोर और अधिकृत बिक्री चैनलों के जरिए कर सकते हैं। प्रीमियम कीमत के बावजूद नए प्रोसेसर, कैमरा और कूलिंग सिस्टम के कारण इन मॉडलों को लेकर बाजार में काफी रुचि देखी जा रही है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

रायबकिना ने पहली बार US ओपन जीता:वर्ल्ड नंबर-1 बनीं; सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार स्र ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया।

इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार **US** ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही स्र ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी

दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया। निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

जो रुट ने सचिन तेंदुलकर के अर्धशतकों का रिकॉर्ड तोड़ा: इंग्लैंड ने एजबेस्टन टेस्ट में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 69वीं फिफ्टी लगाते हुए भारत के सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने टेस्ट में 68 अर्धशतक लगाए हैं।

इंग्लैंड ने शनिवार को एजबेस्टन में पाकिस्तान को तीसरे टेस्ट में 8 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 3-0 से जीत ली।

इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 130 रन चाहिए थे। टीम ने 25वें ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान जो रूट 62 और जॉर्डन कॉक्स 59 रन बनाकर नाबाद रहे।

इंग्लैंड ने पहले ही ओवर में 2 विकेट गंवा दिए

इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में दोनों ओपनर का विकेट गंवा दिया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने पहली ही गेंद पर बेन डकेट को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद एमिलियो गे को **LBW** कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दे दिया। इसके बाद रूट और कॉक्स ने पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 128 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। इस बीच कॉक्स ने टेस्ट में अपनी तीसरी फिफ्टी पूरी की। रुट अपनी पारी के दौरान भाग्यशाली रहे, जब 23 रन के स्कोर पर उन्हें जीवनदान मिला। 10वें ओवर में वे मोहम्मद अली की गेंद पर बोल्ड हो गए थे, लेकिन अंपायर ने बॉलर का पैर क्रीज के बाहर पाया और इसे नो-बॉल करार दिया।

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन की ग्लोबल चेस लीग में पहली हार :टीम फिर भी फाइनल में पहुंची, गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से मुकाबला

ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में शनिवार को खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया।

इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई।

रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात

टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।

मैग्नस कार्लसन और अलीरेज़ा फिरोजा, ग्लोबल चेस लीग 2026 के आठवें दिन मुकाबले के दौरान।

जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।'

आनंद की टीम पहले ही हो चुकी थी बाहर

टूर्नामेंट के 10वें दिन विश्वनाथन आनंद की क्क्न अलास्कन नाइट्स और त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थीं।

भारत जूनियर विमेंस एशिया कप के फाइनल में: सुप्रिया की हैट्रिक से साउथ कोरिया को 5-1 से हराया, चीन-जापान विजेता से होगा मुकाबला

चीन में खेले जा रहे ,।ास्र जूनियर विमेंस एशिया कप के सेमीफाइनल में भारत ने साउथ कोरिया को 5-1 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जूनियर विमेंस हॉकी टीम फाइनल में पहुंच गई। ड्रैग फ्लिकर सुप्रिया ने हैट्रिक लगाई।

सुप्रिया ने अपने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। भारत का सामना अब चीन और जापान के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

भारत और साउथ कोरिया ने मुकाबले की शुरुआत संभलकर की। भारत ने 13वें मिनट में पहला गोल किया।

मधु सिदर ने शानदार फील्ड गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत ने कोरियाई गोल पर लगातार हमले किए। भारत को 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। सुप्रिया ने इस मौके को गोल में बदलकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी।

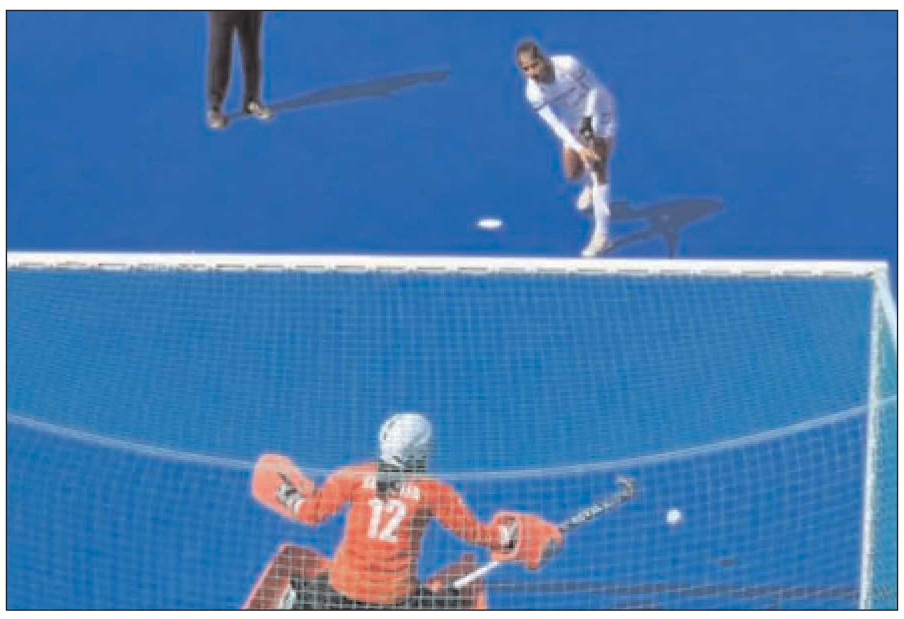

भारत ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। 21वें मिनट में भारतीय विंगर ने कोरियाई गोल के 23 मीटर के भीतर हवा में आई गेंद को लपका। उन्होंने सर्कल के भीतर शानदार क्रॉस दिया। सुखवीर ने इसे गोल में बदलकर भारत का स्कोर 3-0 कर दिया।

भारत को 33वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। सुप्रिया ने इसे गोल में बदलकर भारत को 4-0 से आगे कर दिया।

साउथ कोरिया के लिए यूरी जियोंग ने 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। इससे स्कोर 4-1 हो गया।

यह दक्षिण कोरिया का एकमात्र गोल रहा। आखिरी क्वार्टर में भारत ने बेहतरीन डिफेंस किया और कोरियाई हमलों को नाकाम कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल 56वें मिनट में सुप्रिया ने किया। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने अपने पिछले मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले मेजबान चीन के खिलाफ भारतीय टीम ने गोलरहित ड्रॉ खेला था।

सीएम बोले- मोदी के 25 साल का सार्वजनिक जीवन प्रेरणादायी: भाजपा का मेगा 'सेवा संकल्प' प्लान सेवा से सुशासन तक माहभर अभियान

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा छत्तीसगढ़ में महीनेभर 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में सेवा गतिविधियों से लेकर सुशासन और जनसंपर्क तक कई कार्यक्रम होंगे। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर शाम 7 बजे 'आशीर्वाद का दीया' जलाने से होगी। वहीं 17 अक्टूबर को 'सुशासन सेवा संवाद' के साथ इसका समापन होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर अभियान की विस्तृत रूपरेखा बताई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शंभू, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मोदी का सार्वजनिक जीवन हमारे लिए प्रेरणादायी है। वे राष्ट्र निर्माण में प्रतिबद्धता और प्रामाणिकता के साथ जुटे हैं। साय ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान उन परिवारों के प्रति धन्यवाद की अभिव्यक्ति है, जिनके जीवन में केंद्र सरकार की योजनाओं से सकारात्मक बदलाव आया है। विद्यार्थियों और युवाओं को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। 18 और 19 सितंबर को 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम होगा। 18 सितंबर को ड्राइंग तथा 19 सितंबर को प्रदर्शनी एवं भाषण प्रतियोगिता प्रस्तावित है। इसके अलावा 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' के तहत नुक्कड़ नाटक और सांगीतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं से आए बदलाव की कहानियां लोगों तक पहुंचाई जाएंगी।

बदलते बस्तर को देश के सामने लाने का होगा प्रयास

अभियान में 'सेवा संकल्प यात्रा' के जरिए बदलते बस्तर को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं 'सेवा सेतु-सरकार आपके द्वार' के तहत ब्लॉक और तहसील स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। इनमें हितग्राहीमूलक योजनाओं के स्वीकृति-पत्र देने, राजस्व संबंधी मामलों के निराकरण का प्रयास होगा।

सेवा मेरा योगदान और सेवा के रंग जैसे वृहद कार्यक्रम होंगे

23 से 25 सितंबर तक 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नागरिकों और संस्थाओं को सेवा गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। इसमें रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता, स्वास्थ्य जांच, जल संरक्षण, जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सहयोग, वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी गतिविधियां होंगी।

राजनीति, प्रशासन और सामाजिक जुड़ाव का मास्टर प्लान

राजनीतिक एवं सांगठनिक मजबूती: छात्रों और लाभार्थियों (किसान, आवास, उज्ज्वला) तक पहुंच बनाकर पार्टी अपने कैडर को सक्रिय कर रही है। इसका मुख्य उद्देश्य 'सेवा और सुशासन' का सकारात्मक नैरेटिव स्थापित करना है।

प्रशासनिक जवाबदेही: 'सेवा सेतु-सरकार आपके द्वार' शिविरों के माध्यम से पेंडिंग राजस्व मामलों और योजनाओं की ऑन-द-स्पॉट स्वीकृति से अंतिम छोर तक सेवा वितरण मजबूत होगा।

बस्तर की नई छवि: 'सेवा संकल्प यात्रा' के माध्यम से बस्तर में शांति बहाली, विकास और सुरक्षा के मॉडल के रूप में देश के सामने पेश करना। 6जनभागीदारी: दीप प्रज्वलन, रंगोली और जल संरक्षण जैसे अभियानों के जरिए इसे राजनीतिक आयोजन के बजाय एक सामाजिक उत्सव का रूप देना।

आधुनिक और नगदी फसलों की खेती ने बदली छत्तीसगढ़ के किसानों की तकदीर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पहचान लंबे समय से धान के कटोरे के रूप में रही है, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की पहल से राज्य की कृषि अब पारंपरिक पहचान से आगे बढ़ रही है। खेत में बेहतर उत्पादन से लेकर आधुनिक तकनीक, सिंचाई, फसल विविधीकरण, प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंच बनाने की कोशिशों ने खेती को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के व्यापक बदलाव का माध्यम बना दिया है। इसका असर फसल उत्पादन के साथ-साथ बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है।

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक धान की खेती के अलावा अदरक, गेंदा फूल, बागवानी, और मछली पालन जैसी आधुनिक और नगदी फसलों की खेती से किसानों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। किसान अब केवल धान तक सीमित न रहकर अदरक, गेंदा और अन्य फूलों की खेती से प्रति एकड़ लाखों रुपये का मुनाफा कमा रहे हैं। युवा किसान मछली पालन, मुर्गी पालन और बागवानी को एक साथ जोड़कर खेतों को आय का मुख्य केंद्र बना रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक, ऑटोमैटिक रीपर और आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से श्रम लागत कम हो रही है और पैदावार बढ़ रही है।

विष्णु देव साय की सरकार के ढाई वर्षों से ज्यादा के शासन में राज्य में खेती का रकबा बढ़ने के साथ उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खरीफ फसलों के उत्पादन में करीब 17 प्रतिशत और रबी फसलों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बदलाव केवल अधिक भूमि पर खेती होने का परिणाम नहीं है, बल्कि बेहतर बीज, उर्वरक, सिंचाई और कृषि यंत्रीकरण तक किसानों की बढ़ती पहुंच भी इसकी महत्वपूर्ण वजह है। कृषि नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष किसान की आय और फसल चयन से जुड़ा है।किसानों को उत्पादन के साथ आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में भी पिछले ढाई वर्षों में उल्लेखनीय काम हुआ है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत खरीफ फसल के धान पर न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़ी आदान सहायता के रूप में 24,73,762 किसानों को 13,289 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

गन्ना प्रोत्साहन योजना के तहत 1 करोड़ 3 लाख 34 हजार क्विंटल से ज्यादा गन्ने की खरीदी कर 32 हजार 955 किसानों को 64.95 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। फसल बीमा के दायरे में भी खरीफ सीजन में 15.92 लाख से अधिक तथा रबी सीजन में 2.99 लाख किसानों को शामिल किया गया।

किसानों को उत्पादन के साथ आर्थिक सुरक्षा देने के लिए विष्णु देव साय सरकार की कृषक उन्नति योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। खरीफ 2023 से 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 35,892.90 करोड़ रुपये की सहायता राशि ट्रांसफर की गई है।

धान छत्तीसगढ़ की मुख्य फसल है, इसीलिए छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों और अवसरों की नहीं होगी कमी: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के गांवों, वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। आवश्यकता है कि उनकी समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार करने के साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं होने दी जाएगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग एवं जनरल काउंसिल मीटिंग को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और पदक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के अनुरूप तैयार करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए खेल अधोसंरचना के विकास के साथ प्रशिक्षण और प्रतिभा चयन की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के विभिन्न खेल संघों को उद्योग समूहों से जोड़ने की पहल में तेजी लाने की बात कही।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक बड़े उद्योग समूह कार्यरत हैं। इन समूहों के सहयोग को खेलों के विकास से जोड़ा जाए तो खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, प्रतियोगिताओं के आयोजन और खेल अधोसंरचना के विस्तार में महत्वपूर्ण सहायता मिल सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उद्योग जगत और खेल गतिविधियों के बीच बेहतर समन्वय के सकारात्मक परिणामों को करीब से देखा है।

मंत्री दयालदास बघेल ने जनप्रतिनिधियों एवं जिला अधिकारियों की ली बैठक लेकर

सेवा संकल्प अभियान को जनांदोलन बनाने जुटेगा गरियाबंद जिला

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने आज गरियाबंद के विश्राम गृह में जनप्रतिनिधियों, जिला संगठन पदाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले एक माह के अभियान को शासन, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों की सहभागिता एवं बेहतर समन्वय के साथ व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप दिया जाए। प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और समर्पण की यात्रा देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियों की यात्रा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने निरंतर कार्य करते हुए देश को विकास की नई दिशा दी है। अब वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से अभियान को पूरी सक्रियता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान की सभी गतिविधियां तिथिवार कैलेंडर के अनुसार आयोजित हों तथा सभी नोडल विभाग सक्रिय रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जिला मुख्यालय से लेकर विकासखंड, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत और गांव स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा अभियान का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। बैठक में छत्तीसगढ़ भंडार गृह निगम के अध्यक्ष श्री चंदूलाल साहू, राजिम विधायक श्री रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका गरियाबंद अध्यक्ष श्री रिखीराम यादव पूर्व विधायक श्री डमरूधर पुजारी, वरिष्ठ नागरिक श्री अनिल चंद्राकर, श्री अमित चिमनानी, कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा, एसपी श्री वेदव्रत सिरमौर, डीएफओ श्री मयंक पांडे, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर श्री पंकज डाहिरे, श्रीमती ऋषा ठाकुर, श्री नवीन भगत सहित जिला संगठन पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को विशेष रूप से भव्य एवं व्यापक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर की शाम शाम 7 बजे देशभर में एक साथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

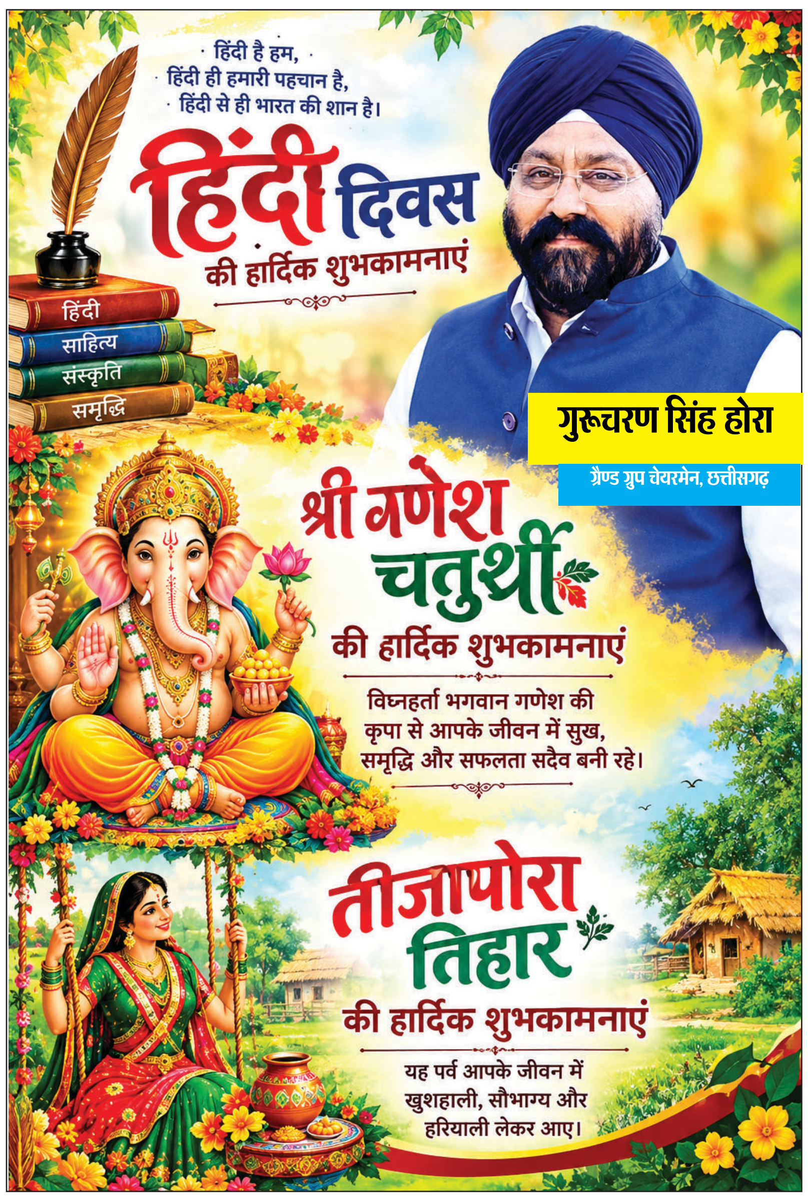

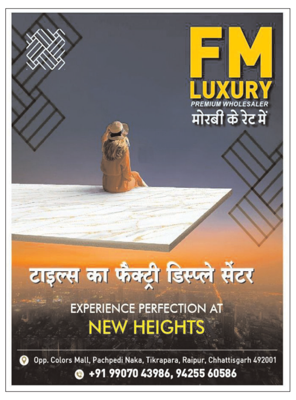

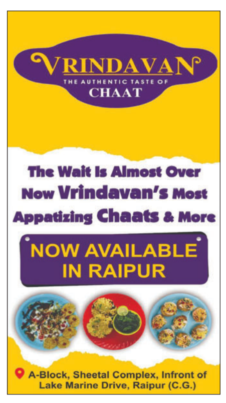

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684